दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-121 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 19 जून 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

विकास और संस्कृति का संतुलन ही सशक्त और समृद्ध समाज की आधारशिला : राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु

सेवा और अध्यात्म के संगम से ही समाज में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन संभव

भोपाल (आरनएस)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि समाज का सशक्तिकरण केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं होना चाहिए। वास्तविक सशक्तिकरण तब होता है जब व्यक्ति में आत्म विश्वास, आत्म सम्मान, जागरूकता और दायित्व बोध का विकास हो। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने कहा कि जनजातीय समाज आत्म सम्मान के साथ जीवन जीने वाला समाज है और उसकी यही विशेषता उसे विशिष्ट बनाती है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक जागृति व्यक्ति को अपनी आंतरिक शक्ति का अनुभव कराती है तथा सकारात्मक सोच को जीवन के उच्च आदर्शों से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि विकास और संस्कृति का संतुलन ही किसी भी सशक्त और समृद्ध समाज की आधारशिला होता है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु बैतूल में आयोजित आध्यात्मिक जागृति से जनजातीय समाज का सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित कर रही थी। विकास और संस्कृति का संतुलन ही किसी भी सशक्त और समृद्ध समाज की आधारशिला होता है। शाश्वत विकास वही है जो हमारी जड़ों को मजबूत बनाते हुए भविष्य की संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करे। राष्ट्रपति श्रीमति मुर्मु ने कहा कि भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति तभी संभव है जब देश का प्रत्येक वर्ग विकास की मुख्यधारा से जुड़ जाएंगी। हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक भारत की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत सुरक्षित और अक्षुण्ण रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रह्मकुमारी संस्थान द्वारा आयोजित इस प्रकार के सम्मेलन जनजातीय समाज के आध्यात्मिक उत्थान, सामाजिक जागरूकता और समग्र विकास के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने मध्यप्रदेश शासन की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनजातीय कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से सिकल सेल एनीमिया का उल्लेख करते हुए कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में इस बीमारी की संभावना अधिक पायी जाती है और इसके उन्मूलन के लिए प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु विश्वास व्यक्त किया कि इन प्रयासों से जनजातीय समाज का स्वास्थ्य स्तर और बेहतर होगा। राष्ट्रपति श्रीमति मुर्मू ने कहा कि मध्यप्रदेश का बैतूल जिला अपनी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक चेतना के लिए पूरे देश में विशेष पहचान रखता है। यहां के जनजातीय समुदायों ने अपनी परंपराओं, लोकज्ञान और सांस्कृतिक मूल्यों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी संरक्षित रखा है। सामूहिकता, सहयोग, सरलता, ईमानदारी और आध्यात्मिकता जैसे उच्च जीवन मूल्यों का जीवंत स्वरूप बैतूल की जनजातीय संस्कृति में दिखाई देता है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि जनजातीय समुदाय के सशक्तिकरण के लक्ष्य पर केंद्रित इस महासम्मेलन में शामिल होकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए ब्रह्मकुमारी संस्थान को बधाई देते हुए कहा कि यह आयोजन केवल बैतूल या मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश और समाज के लिए विशेष महत्व रखता है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु विश्वास व्यक्त किया कि महासम्मेलन में तैयार होने वाली कार्य योजनाएं जनजातीय समाज को राष्ट्र की प्रगति का सशक्त भागीदार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि ब्रह्मकुमारी संस्थान ने मातृशक्ति को केंद्र में रखकर अपनी योजनाओं और कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया है। संस्थान की आंतरिक शुचिता, मानवीय गरिमा, सेवा भावना तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी दुनिया में आंतरिक शुचिता और आध्यात्मिक मूल्यों का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है।

फ्रांस के पेरिस पहुंचने पर भारतीय समुदाय के सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया।

डोनाल्ड ट्रंप और पेजेशकियन ने ईरान-अमेरिका समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, अब प्रभावी रूप से लागू

वाशिंगटन(आरनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्टपति मसूद पेजेशकियान ने संघर्ष को समाप्त करने के लिए बुधवार को समझौता ज्ञापन पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर कर दिए। दोनों राष्ट्रपतियों ने दस्तावेज पर डिजिटल रूप से हस्ताक्षर किए, जबकि इससे पहले रविवार को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरान के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गलिबाफ ने डिजिटल हस्ताक्षर किए थे। यह समझौता तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। अब 19 जून को स्विट्जरलैंड में औपचारिक समारोह नहीं होगा।व्हाइट हाउस ने बताया कि, राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार रात को फ्रांस के वर्साय पैलेस में आयोजित रात्रिभोज के दौरान अमेरिका-ईरान समझौते की हार्ड कॉपी पर आधिकारिक रूप से हस्ताक्षर किए हैं। व्हाइट हाउस की ओर से इस हस्ताक्षर समारोह का एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी उनके साथ रात्रिभोज की मेज पर मौजूद हैं।

जयराम रमेश का बड़ा आरोप, बोले-एनडीए पार्टियों को तोड़ने में जुटा है

नईदिल्ली,(आरएनएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महासचिव जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर बदले की राजनीति करने का गंभीर आरोप मढ़ा है। उन्होंने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री मिलकर विपक्षी खेमे में दरार पैदा करने की कोशिशों में जुटे हैं। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के संक्षिप्त नाम एनडीए को एक नया रूप देते हुए इसे नेशनल डिफेक्टर अलायंस यानी राष्ट्रीय दल-बदलु गठबंधन के रूप में परिभाषित किया। कांग्रेस नेता का तर्क है कि सत्तापक्ष यह सब केवल विपक्षी दलों की एकजुटता और उनके मनोबल को ठेस पहुंचाने के उद्देश्य से कर रहा है। जयराम रमेश ने अपने दावों को पुख्ता करने के लिए 17 अप्रैल 2026 को लोकसभा के भीतर हुए घटनाक्रम का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि उस दिन सरकार द्वारा संविधान संशोधन विधेयक, परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयक को सदन में पारित कराने के लिए प्रस्तुत किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट का सीबीएसई की 3-भाषा नीति के कार्यान्वयन के खिलाफ याचिका पर अंतरिम आदेश देने से इनकार

नई दिल्ली(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) की उस पॉलिसी को लागू करने को चुनौती देने वाली याचिका पर कोई अंतरिम आदेश देने से मना कर दिया, जिसमें 2026-27 एकेडमिक सेशन से क्लास 9 के स्टूडेंट्स के लिए दो भारतीय भाषाओं समेत तीन भाषाओं की पढ़ाई जरूरी की गई थी.सीबीएसई के हाल ही में जारी एक सर्कुलर के अनुसार, 1 जुलाई से क्लास 9 के स्टूडेंट्स के लिए कम से कम दो देसी भारतीय भाषाओं समेत तीन भाषाएं पढ़ना जरूरी कर दिया गया है. इस मामले की सुनवाई आज चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने की. पीठ ने एनजीओ फ्रेंड्स ऑफ पीपल फॉर एक्टिव डेमोक्रेसी की तरफ से दायर की गई एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी. पीठ ने इस याचिका को इस मुद्दे पर लंबित दूसरी याचिकाओं के साथ टैग कर दिया।

पीठ ने कहा, हम आज एक लाइन का आदेश पास नहीं कर सकते. इस मामले पर लंबी बहस हुई. अंतरिम संरक्षण का कोई सवाल ही नहीं है. पीठ ने एनजीओ के नाम, फ्रेंड्स ऑफ पीपल फॉर एक्टिव डेमोक्रेसी पर भी सवाल उठाया और हल्के-फुल्के अंदाज में पूछा कि क्या इस नाम का मकसद कोर्ट या लोगों के मन में डर पैदा करना है.वकील ने जवाब दिया, नहीं, माय लॉर्ड. यह ट्रस्ट का नाम है. यह 2013 में बना एक पुराना ट्रस्ट है. वकील ने कहा कि सीबीएई को 15 जून तक विस्तृत गाइडलाइंस जारी करनी थीं. दलीलें सुनने के बाद, पीठ ने मामले को दूसरी पेंडिंग याचिका के साथ 14 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

कांग्रेस का बड़ा अभियानः शिक्षा और रोजगार के मुद्दे पर सड़कों पर उतरेगी पार्टी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने देश के छात्रों और नौकरी तलाश रहे युवाओं के हक में एक बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने युवाओं के अधिकारों के लिए छात्रों की गूंज नामक एक राष्ट्व्यापी अभियान का शंखनाद किया है। राहुल गांधी ने देश भर के युवाओं से इस मुहिम का हिस्सा बनने की पुरजोर अपील करते हुए कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली और बेरोजगारी जैसी गंभीर चिंताओं को सीधे सरकार के कानों तक पहुंचाना है।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर इस मुहिम की घोषणा करते हुए राहुल गांधी ने लिखा कि यदि किसी भी छात्र ने पेपर लीक, परीक्षाओं में नकल या फिर बेतहाशा फीस का दर्द झेला है, तो यह अभियान सीधे तौर पर उन्हीं के लिए है। उन्होंने मौजूदा सिस्टम पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आज की व्यवस्था ने अनगिनत युवाओं के सुनहरे सपनों को चकनाचूर कर दिया है। लाखों परिवारों ने अपने बच्चों के भविष्य के लिए अपनी जीवनभर की गाढ़ी कमाई दांव पर लगा दी, लेकिन बदले में उन्हें सिर्फ निराशा हाथ लगी।

ऐतिहासिक धरोहरों और जल संरचनाओं का संरक्षण सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने प्राचीन श्री वीरगढ़ी हनुमान मंदिर परिसर की बावड़ी का किया अवलोकन

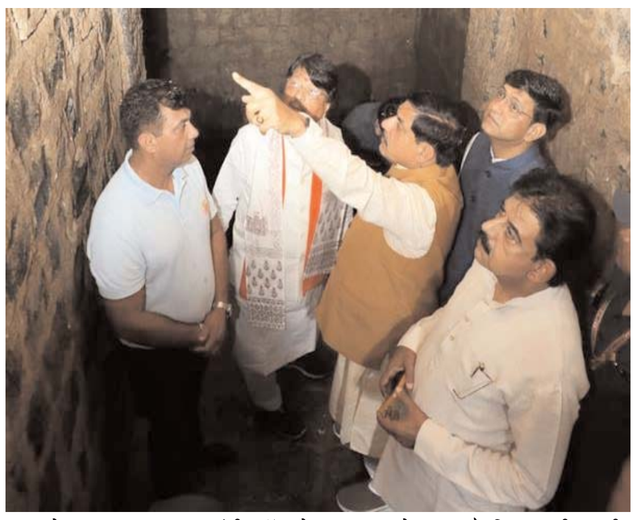

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी प्राचीन बावड़ियाँ और जल संरचनाएँ हमारी समृद्ध वास्तुकला और उत्कृष्ट जल प्रबंधन की प्रतीक हैं। इन ऐतिहासिक धरोहरों को संजोकर रखना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को इंदौर के प्राचीन श्री वीरगढ़ी हनुमान मंदिर परिसर में स्थित ऐतिहासिक एवं प्राचीन बावड़ी का अवलोकन कर यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की जनता की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को वैज्ञानिक पद्धति से जीर्णोद्धार, बावड़ी के मूल ऐतिहासिक स्वरूप को बिना नुकसान पहुँचाए, वैज्ञानिक पद्धति से इसकी सफाई और जीर्णोद्धार कार्य तत्काल प्रारंभ के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं और आम जन की सुरक्षा के लिए बावड़ी के चारों ओर मजबूत सुरक्षा जाली अथवा रैलिंग अनिवार्य रूप से लगाई जाए। बावड़ी के प्राकृतिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए तकनीकी उपाय किए जाएं, जिससे जल संरक्षण को बढ़ावा मिल सके। मंदिर और बावड़ी के आस-पास के क्षेत्र का व्यवस्थित सौंदर्यीकरण किया जाए, जिससे यहाँ धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समस्त विकास एवं जीर्णोद्धार कार्य एक निश्चित समय-सीमा तय कर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। नगरीय विकास प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सुमित मिश्रा, सुदर्शन गुप्ता, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार और कलेक्टर शिवम वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

टेलीग्राम बैन पर सुनवाईः कोर्ट का बड़ा सवाल, 15 करोड़ यूजर्स के अधिकार कैसे सीमित होंगे? फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली(ए.)। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) से पहले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। टेलीग्राम की ओर से दाखिल याचिका पर जस्टिस तेजस कारिया की बेंच ने सुनवाई की। सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली रिव्यू कमेटी ने टेलीग्राम के अधिकारियों की बात सुनी है और उनकी दलीलों को रिकॉर्ड पर लिया गया है। टेलीग्राम की ओर से अदालत में कहा गया कि कानून इस तरह के भेद का प्रावधान नहीं करता। इस पर कोर्ट ने कहा, टेलीग्राम की दलील सीधी है कि यदि आधार ही खत्म हो जाता है, तो उसके आधार पर पारित आदेश भी नहीं टिक सकता। हम अंतिम आदेश पर भी विचार करेंगे, इसलिए दोनों पहलुओं पर बहस करना बेहतर होगाटेलीग्राम ने केंद्र सरकार के आदेश को कानूनी खामियों से ग्रस्त बताते हुए कहा कि समिति ने सर्वसम्मति से अंतरिम निर्देश की पुष्टि करने की सिफारिश की थी।

नर्मदापुरम में अवैध संबंध के शक में खूनी खेल

पैर छूकर मुंहबोले जीजा ने BJP कार्यकर्ता के सिर में मारी गोली

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में अवैध संबंधों का शक इंसान को किस हद तक अंधा बना सकता है, इसका एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला नर्मदापुरम के सोहागपुर से सामने आया है। यहां भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता और राजपूत ढाबा के संचालक सचिन राजपूत की उनके ही मुंहबोले जीजा ने सिर में गोली मारकर बेरहमी से हत्या कर दी। वारदात की वजह बेहद सनसनीखेज है, आरोपी को शक था कि उसकी पत्नी और सचिन के बीच अवैध संबंध थे। इसी शंका की आग में जल रहे जीजा ने इस खौफनाक साजिश को अंजाम दिया।बीते दिन सीहोर निवासी आरोपी विवेक गुर्जर करीब 80 किलोमीटर दूर से महुआ गांव स्थित सचिन के ढाबे पर पहुंचा। वहां उसने बकायदा सचिन के पैर छुए, विश्वास जीता और फिर उसे बाइक पर बैठाकर सुनसान रानी पिपरिया नहर की पुलिया पर ले गया। वहां मौका पाते ही विवेक ने सचिन के सिर में देसी कट्टा उतार दिया और फरार हो गया। जब सचिन घर नहीं लौटा, तो पुलिस ने मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर रात 3 बजे उसकी खून से लथपथ लाश बरामद की। सुबह होते ही इस अंधे कत्ल की खबर से इलाके में हड़कंप मच गया। आक्रोशित समर्थकों ने सोहागपुर में चक्काजाम कर दिया। माहौल बिगड़ता देख एसपी साईं कृष्णा थोटा खुद मोर्चे पर उतरे। पुलिस ने केवल 24 घंटे के भीतर जाल बिछाकर हत्यारे जीजा को दबोच लिया। सीसीटीवी फुटेज और टेक्निकल इनपुट की मदद से आरोपी को बेनकाब किया गया। उसके पास से कत्ल में इस्तेमाल 20 हजार की पिस्टल और बाइक बरामद कर ली गई है। पैर छूकर मौत के घाट उतारने वाले इस शातिर जीजा की करतूत ने सबको सन्न कर दिया है। एसपी साई कृष्णा ने टीम को 10 हजार रुपये के इनाम की घोषणा भी की है। एसपी नर्मदापुरम साई कृष्णा ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान बताया, थाना सोहागपुर में बिल्कुल सुबह-सुबह हमको एक सूचना मिली कि नहर के पास एक व्यक्ति कि मृत्यू हुई है और उसके सिर में एक गोली का निशान मिला और आस-पास एक खोखा भी मिला।

दिल्ली में नवजात बच्चों की खरीद फरोख्त करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 5 बच्चे बरामद, 12 आरोपी अरेस्ट

नई दिल्ली(आरएनएस)। दिल्ली पुलिस ने नवजात बच्चों की अवैध खरीद-फरोख्त करने वाले एक बड़े मानव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया और 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. इन आरोपियों में एक महिला भी शामिल है.उसे इस पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है. महिला खुद को डॉक्टर बताकर एक नर्सिंग होम चलाती थी. पुलिस उसके शैक्षणिक और पेशेवर दस्तावेजों की जांच कर रही है. कार्रवाई के दौरान पांच नवजात बच्चों को सुरक्षित बचाया गया है, जिनमें महज पांच दिन का एक शिशु भी शामिल है.पुलिस जांच के अनुसार, यह गिरोह विभिन्न राज्यों से नवजात बच्चों को उठाकर उनके जन्म संबंधी दस्तावेजों में हेरफेर करता था. संतान की चाह रखने वाले दंपत्तियों के हाथों लाखों रुपये में इन शिशुओं को बेच देता था. शुरुआती जांच में सामने आया है कि इस नेटवर्क के जरिए अब तक 20 से अधिक नवजात बच्चों की तस्करी की जा चुकी है।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध शराब के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई

जून माह में अब तक 2 करोड़ 86 लाख रूपए से अधिक की संपत्ति जब्त की गई

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जून माह में अब तक विभिन्न जिलों में प्रभावी कार्रवाई कर पुलिस ने अवैध शराब, तस्करी में प्रयुक्त वाहन तथा अन्य सामग्री सहित लगभग 2 करोड़ 86 लाख रूपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है।थांदला, राणापुर एवं झकनावदा चौकी क्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 176 पेटियों से अधिक अवैध शराब एवं वाहनों सहित लगभग 47 लाख 71 हजार मूल्य की संपत्ति जब्त की है। इंदौर पुलिस एवं इंदौर ग्रामीण पुलिस ने संयोगितागंज, द्वारकापुरी तथा बड़गोंदा क्षेत्रों में कार्रवाई कर अवैध शराब एवं वाहन सहित लगभग 37 लाख 81 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है। पुलिस ने दो कार्रवाइयों में अवैध शराब, ट्रैक्टर-ट्रॉली, कार एवं अन्य वाहन सहित लगभग 28 लाख 96 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है।पुलिस ने सिविल लाइन, बांदरी, जैसीनगर, मालथौन एवं सुरखी थाना क्षेत्रों में लगातार कार्रवाई करते हुए अवैध शराब, वाहन सहित कुल लगभग 26 लाख 95 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है। पुलिस ने पवई थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग कार्रवाइयों में 2,484 लीटर से अधिक अवैध शराब, पिकअप वाहन सहित लगभग 22 लाख 50 हजार रूपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है। पुलिस ने चाचरिया चौकी एवं अंजड़ क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में अवैध शराब एवं वाहन सहित लगभग 15 लाख रूपए की संपत्ति जब्त की है।पुलिस ने अवैध शराब परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई कर बोलेरो वाहन सहित लगभग 10 लाख 56 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है। पुलिस ने ईशानगर, बमीठा, चंदला एवं बक्सवाहा थाना क्षेत्रों में कार्रवाई कर अवैध शराब एवं वाहनों सहित लगभग 10 लाख 20 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है। पुलिस ने ऑपरेशन ईगल क्लॉ के तहत कार्रवाई कर अवैध शराब, वाहन एवं मोटरसाइकिल सहित लगभग 9 लाख 70 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है। पुलिस ने जियावन एवं सरई क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए अवैध शराब, वाहन सहित लगभग 9 लाख 20 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है। पुलिस ने सोरवा क्षेत्र में कार्रवाई कर अवैध शराब एवं वाहन सहित लगभग 8 लाख 18 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है। पुलिस ने शमशाबाद क्षेत्र में कार्रवाई कर अवैध शराब एवं कार सहित लगभग 8 लाख 5 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है।पुलिस ने जमोड़ी क्षेत्र में अवैध शराब से भरी कार जप्त कर लगभग 7 लाख 17 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है। पुलिस ने खाचरौद, पंवासा एवं माधवनगर थाना क्षेत्रों में कार्रवाई कर अवैध शराब, वाहन एवं मोबाइल सहित लगभग 6 लाख 12 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है।

डीजीपी कैलाश मकवाणा से किलिमंजारो फतह करने वाली निरीक्षक श्रीमती दीपिका गौतम ने सौजन्य भेंट की

भोपाल (आरएनएस)। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा से माउंट किलिमंजारो विजय के उपरांत निरीक्षक श्रीमती दीपिका गौतम ने पुलिस मुख्यालय में सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर श्री मकवाणा ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उनकी उपलब्धि की सराहना करते हुए डीजीपी ने कहा कि यह सफलता मध्यप्रदेश पुलिस की महिला अधिकारियों की क्षमता, साहस, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि निरीक्षक श्रीमती दीपिका गौतम ने अपनी उपलब्धि से प्रदेश की महिलाओं, युवाओं तथा पुलिस बल के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने की प्रेरणा दी है।इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एससीआरबी जयदीप प्रसाद एवं पुलिस महानिरीक्षक एससीआरबी हरिनारायणचारी मिश्र उपस्थित थे।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी, दिग्विजय ने CEC को घेरा

चुनाव आयुक्त रहते ज्ञानेश कुमार कैसे हो सकते हैं राम मंदिर ट्रस्ट के मेंबर

भोपाल(निप्र)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा- राम मंदिर निर्माण और उससे जुड़े मामलों में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आए हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने के खिलाफ लोकतंत्र बचाओ सत्याग्रह में दिग्विजय सिंह ने कहा- देशभर के लोगों ने राम मंदिर निर्माण के लिए श्रद्धा से चंदा दिया था। ज्ञानेश कुमार अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य भी बताए जाते हैं।उन्होंने कहा- अगर ऐसा है, तो मुख्य चुनाव आयुक्त रहते हुए किसी ट्रस्ट की सदस्यता कैसे संभव है। इस विषय पर भी स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। वहीं उन्होंने आगे कहा- मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया जाना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ है।दरअसल, राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने के विरोध में राजधानी भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर कांग्रेस का लोकतंत्र बचाओ सत्याग्रह जारी है। इस दौरान दिग्विजय सिंह ने कहा-मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया जाना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ है। कांग्रेस नेताओं ने रोशनपुरा चौराहे पर चल रहे इस सत्याग्रह के माध्यम से कांग्रेस ने चुनावी प्रक्रिया में निष्पक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की मांग उठाई। पार्टी नेताओं का कहना है कि वे इस मुद्दे को लेकर अपना विरोध जारी रखेंगे। सत्याग्रह स्थल पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चरखा चलाकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया।

भू-माफियाओं पर सख्ती और आवासीय परियोजनाओं में तेजी के मंत्री श्री सारंग के निर्देश

भोपाल को अतिक्रमण मुक्त और सुरक्षित बनाने में मंत्री श्री सारंग ने की बड़ी पहल

भोपाल, (निप्र.)। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंत्रालय में भोपाल शहर एवं नरेला विधानसभा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों, आवासीय परियोजनाओं, अतिक्रमण, नागरिक सुरक्षा तथा आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की। बैठक में भोपाल कलेक्टर, पुलिस कमिश्नर, नगर निगम कमिश्नर, राजस्व विभाग सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा आमजन से जुड़े विषयों का त्वरित और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने भोपाल को अतिक्रमण मुक्त, सुरक्षित और बेहतर नागरिक सुविधाओं से युक्त शहर बनाने के लिए अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

भू-माफियाओं और अवैध निर्माणों के खिलाफ चलेगा विशेष अभियान

मंत्री श्री सारंग ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पूरे भोपाल में अभियान चलाकर भू-माफियाओं और शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि, सार्वजनिक उपयोग की भूमि तथा विकास परियोजनाओं में बाधा बनने वाले सभी अतिक्रमणों को चिन्हित कर हटाया जाए। उन्होंने अवैध प्लॉटिंग और अवैध भवन निर्माण को गंभीर समस्या बताते हुए कहा कि ऐसे मामलों में केवल अतिक्रमण हटाना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाएगी। जहां-जहां अवैध कॉलोनियां विकसित हो रही हैं या अवैध निर्माण हो रहे हैं, वहां जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मोती नगर, रेलवे भूमि और अशोका गार्डन से हटेंगे अवैध कब्जे

बैठक में मोती नगर क्षेत्र की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री सारंग ने रेलवे और पीडब्ल्यूडी की प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि को तत्काल अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रेलवे लाइन और सुभाष नगर क्षेत्र के विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए। साथ ही अशोका गार्डन थाना परिसर के पीछे हुए अवैध कब्जों को हटाने के निर्देश भी दिए गए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि यदि किसी क्षेत्र में बड़े स्तर पर अतिक्रमण हुआ है, तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की भी है। उन्होंने निर्देश दिए कि अतिक्रमण रोकने में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। शासन की मंशा स्पष्ट है कि सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और जनहित के विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की बाधा स्वीकार नहीं की जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना एवं 'हाउसिंग फॉर ऑल' परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। मंत्री श्री सारंग ने निशांतपुरा में पुलिस लाइन विकसित करने की संभावनाओं पर भी कार्यवाही आगे बढ़ाने के सुझाव दिए। साथ ही रचना नगर, नयापुरा, गैस राहत कॉलोनी, कस्तूरबा नगर और पलासी क्षेत्रों में आवासीय परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा। मंत्री श्री सारंग ने रचना नगर की भूमि को प्रधानमंत्री आवास योजना से जोड़कर वहां आवासीय परियोजना विकसित करने के निर्देश दिए, जिससे अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराये जा सकें।

आयशर की टक्कर से पेट्रोल पंप कर्मचारी की मौत, नाइट ड्यूटी से घर लौटते समय हुआ हादसा

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के खजूरी थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक पेट्रोल पंप कर्मचारी की मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले युवक की पहचान 30 वर्षीय नितेश यादव, पुत्र अशोक यादव, निवासी आमनाखेड़ी के रूप में हुई है। नितेश भैंसाखेड़ी स्थित एक पेट्रोल पंप पर सेल्समैन के पद पर कार्यरत था।

जानकारी के अनुसार, बुधवार-गुरुवार की रात ड्यूटी पूरी करने के बाद नितेश अपनी बाइक से घर लौट रहा था। सुबह करीब 10-15 बजे खजूरी सड़क स्थित एक मोड़ पर सामने से आ रहे तेज रफ्तार आयशर वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि नितेश गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद आयशर चालक वाहन लेकर फरार होने का प्रयास कर रहा था, लेकिन आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना मिलते ही खजूरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को जब्त कर थाने ले गई। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हादसा होना सामने आया है।नितेश यादव की शादी करीब छह वर्ष पहले हुई थी। वह दो छोटे बच्चों का पिता था और परिवार का मुख्य सहारा था। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गुरुवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

अधिकारियों का स्वास्थ्य और कार्यकुशलता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : मंत्री श्री पटेल

श्रम विभाग में अधिकारियों को तनावमुक्त और कार्यकुशल बनाने के लिए ऑनलाइन सत्र आयोजित

भोपाल, (ए.)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि हमारे अधिकारी निरंतर भारी दबाव में जनसेवा का कार्य करते हैं, इसलिए उनकी भलाई और मानसिक स्वास्थ्य हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मंत्री

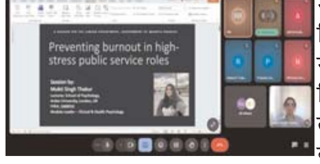

श्री पटेल श्रम विभाग के अधिकारियों के लिए आयोजित उच्च-तनाव वाली लोक सेवा भूमिकाओं में बर्नआउट की रोकथाम विषय पर एक विशेष ऑनलाइन सत्र को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि कार्यस्थल पर तनाव से जुड़े फीडबैक तंत्र को लागू कर विभागीय टीमों की कार्यक्षमता को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा। इस सत्र में राज्य से 79 वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। दिनभर की भागदौड़, लगातार बजते फोन और फाइलों के दबाव से जूझने वाले अधिकारियों की मानसिक सेहत को सुदृढ़ बनाने और कार्यस्थल पर उनके दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से यह सत्र आयोजित किया गया था। आर्डेन विश्वविद्यालय, लंदन की व्याख्याता और स्वास्थ्य मनोविज्ञान विशेषज्ञ सुश्री मुक्ति सिंह ठाकुर ने सत्र का मुख्य संचालन किया। उन्होंने एक व्यापक वैज्ञानिक अध्ययन का हवाला देते हुए बताया कि अत्यधिक तनाव के साथ-साथ यह मानना कि तनाव सेहत बिगाड़ रहा है, मृत्यु के जोखिम को 43 प्रतिशत तक बढ़ा देता है। वहीं, जो लोग तनाव को हानिकारक नहीं मानते, उनमें ऐसा कोई खतरा नहीं देखा गया। सुश्री ठाकुर ने तनाव प्रबंधन का एक बेहद सरल और प्रभावी उपाय साझा किया। उन्होंने कहा कि किसी भी विपरीत परिस्थिति में उद्वेलित होने से पहले महज 30 सेकंड का ठहराव लें और आस-पास की किसी आम चीज़, जैसे छत का पंखा, खिड़की या अपनी आती-जाती सांसों पर ध्यान केंद्रित करें।

नवागत संभागायुक्त श्री शर्मा ने किया पदभार ग्रहण

भोपाल(ए.)। भोपाल संभाग के नवागत संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने आज आयुक्त कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। 2010 बैच के प्रशासनिक सेवा के अधिकारी आयुक्त कर्मवीर शर्मा प्रदेश में विभिन्न पदों पर कार्य कर चुके हैं। इस दौरान निवर्तमान आयुक्त संजीव सिंह एवं अपर आयुक्त शिवराज सिंह वर्मा भी उपस्थित रहे।

भोपाल में महिला कांग्रेस का प्रदर्शन

भाजपा महिलाओं को आगे बढ़ाने के बजाय विपक्ष की आवाज दबा रही:रीना बोरासी

भोपाल (निप्र.)। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में महिला कांग्रेस ने गुरुवार को राजधानी भोपाल में प्रदर्शन किया। महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा का पुतला दहन कर विरोध जताया और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपने के लिए कलेक्टर कार्यालय तक पैदल मार्च निकाला। हालांकि रास्ते में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोक दिया, जिसके चलते वे ज्ञापन नहीं सौंप सकीं।

प्रदर्शन के दौरान मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बोरासी ने भाजपा पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा न केवल महिलाओं को पर्याप्त अवसर देने में विफल रही है, बल्कि विपक्षी दलों की महिला नेताओं के लिए भी बाधाएं खड़ी कर रही है।

बोरासी ने आरोप लगाया कि मीनाक्षी नटराजन का नामांकन बिना किसी ठोस आधार के निरस्त किया गया।रीना बोरासी ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र में किसी प्रकार की कोई कमी या त्रुटि नहीं थी। जिस नोटिस का हवाला देकर नामांकन निरस्त किया गया, उसके संबंध में नामांकन प्रक्रिया में कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं था। उन्होंने कहा कि देश में कई जनप्रतिनिधियों और नेताओं के खिलाफ विभिन्न प्रकार के मामले लंबित रहते हैं, इसके बावजूद वे चुनाव लड़ते हैं और सार्वजनिक पदों पर बने रहते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को राज्यसभा के लिए इसलिए उम्मीदवार बनाया था ताकि वे महिलाओं और आमजन की आवाज संसद में प्रभावी ढंग से उठा सकें, लेकिन राजनीतिक कारणों से उनके रास्ते में बाधा खड़ी की गई।महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह मामला केवल एक उम्मीदवार तक सीमित नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और विपक्ष की भूमिका से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि विपक्षी उम्मीदवारों के नामांकन इस तरह निरस्त किए जाते रहे तो भविष्य में लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर अपना संघर्ष जारी रखेगी।

प्रदेश कांग्रेस महामंत्री एवं प्रवक्ता रोशनी यादव ने कहा कि भाजपा महिला सशक्तिकरण और नारी सम्मान की बात करती है, लेकिन व्यवहार में उसके कदम इसके विपरीत दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव में महिला उम्मीदवार को मैदान में उतारा, लेकिन उनके साथ अन्याय किया गया। रोशनी यादव ने आरोप लगाया कि सत्ता और प्रभाव का उपयोग कर कांग्रेस प्रत्याशी को चुनावी प्रक्रिया से बाहर करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद कांग्रेस विधायक किसी दबाव में नहीं आए और पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी।

नीट (यूजी) परीक्षा-2026 के सफल आयोजन हेतु कलेक्टर श्री मिश्रा ने तैयारियों की समीक्षा की

अभ्यर्थियों की सुविधा, सुरक्षा एवं पारदर्शी परीक्षा संचालन के लिए दिए आवश्यक निर्देश कलेक्टर की अभ्यार्थियों से अपील समय के पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र पर पहुँचे

भोपाल (निप्र)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में नीट (यूजी) परीक्षा-2026 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों, पुलिस प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग तथा परीक्षा संचालन से जुड़े अधिकारियों ने भाग लिया। कलेक्टर श्री मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 21 जून को आयोजित होने वाली परीक्षा के दौरान जिले के सभी 32 परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, यातायात, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य सुविधाओं एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि परीक्षा का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं व्यवस्थित संचालन जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।बैठक में परीक्षा केंद्रों पर दो-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, महिला अभ्यर्थियों के लिए पृथक फ्रिस्किंग व्यवस्था तथा भीड़ प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने प्रश्न-पत्रों के सुरक्षित परिवहन एवं परीक्षा सामग्री के सुचारु प्रबंधन के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी परीक्षा केंद्रों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए जनरेटर, स्वच्छ पेयजल, ओआरएस, प्राथमिक उपचार किट, चिकित्सकीय दल, स्वच्छ शौचालय तथा क्लॉक रूम की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही अभिभावकों एवं संरक्षकों की सुविधा के लिए आवश्यक इंतजाम करने तथा परीक्षा केंद्रों के आसपास यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। इसके साथ ही कलेक्टर श्री मिश्रा ने नीट परीक्षा के अभ्यर्थियों से अपील की है कि समय के पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र पर पहुँचे ताकि किसी असुविधा का सामना नहीं करना पड़े।

उमंग स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के तहत शिक्षकों का प्रशिक्षण

भोपाल (निप्र)।स्कूलों में पढ़ाई के साथ-साथ वैलनेस गतिविधियों, स्वास्थ्य और जीवन कौशल के विकास के लिए स्कूलों के दो शिक्षकों को आरोग्य दूत के रूप में नामांकित कर उनका प्रशिक्षण आयोजित किया गया।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण में 60 स्कूलों को शामिल किया गया है। प्रशिक्षित शिक्षक स्कूलों में प्रत्येक सप्ताह स्वास्थ्य संवर्धन एवं जीवन कौशल हेतु बच्चों के बीच विभिन्न उत्साहवर्धक गतिविधियां आयोजित करवाएंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से छात्रों में स्वास्थ्य की जानकारी एवं स्वास्थ्य व्यवहार को अपना अपनाने में सहायता मिलेगी।

भोपाल में विधवा महिला से रेप और ब्लैकमेलिंग सहकर्मी ने कोलड्रिंक में नशा मिलाकर पहली बार बनाए थे संबंध, अश्लील फोटो और वीडियो वायरल किए

भोपाल (निप्र)। भोपाल के खजूरी सड़क थाना क्षेत्र में एक विधवा महिला ने अपने सहकर्मी पर नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म करने और चार साल तक धमकी देकर शोषण करने का केस दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार 32 वर्षीय

महिला निजी कंपनी में काम करती है और उसके चार बच्चे हैं।आरोप है कि करीब चार साल पहले सहकर्मी राहुल मालवीय उसे मंदिर घुमाने के बहाने ले गया और कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोशी की हालत में उसके साथ रेप किया। इसके बाद आरोपी धमकी देकर लगातार उसका शोषण करता रहा।

बच्चे और रिश्तेदारों को भेज दिए वीडियो

कुछ दिन पहले आरोपी ने महिला के अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए और उसके बच्चों व रिश्तेदारों को भी भेज दिए। परेशान होकर महिला ने बुधवार को थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।थाना प्रभारी नीरज वर्मा के मुताबिक आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

मुख्यमंत्री ने लिंबोदी तालाब पहुंचकर किया श्रमदान, नागरिकों को दिलाई जल संरक्षण की शपथ

- जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लिंबोदी तालाब के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों का किया अवलोकन

इंदौर(ए.)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को इंदौर के खंडवा रोड़ स्थित करीब 100 वर्ष से अधिक पुराने लिंबोदी तालाब के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों के अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने श्रमदान भी किया और नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई।इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल हैं तो कल हैं। जल ही जीवन का आधार है। जल के बिना जीवन नीरस है। हम प्राकृतिक जल स्त्रोतों का संरक्षण करें और आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई करें। जल की एक-एक बूंद बचाएं और जल को सहेजें।उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत शहर के प्राकृतिक जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में तालाबों, कुँओं एवं बावड़ियों का गहरीकरण एवं सफाई की जा रही है। जल संरक्षण के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरूआत गुड़ी-पड़वा से की थी। इस अभियान के तहत अभी तक प्रदेश में 2 लाख से अधिक जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य किये गये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत इंदौर शहर में 10 से अधिक बड़े तालाबों तथा 250 से अधिक कुएँ एवं बावड़ियों के संरक्षण का कार्य किया गया है। स्वच्छता में देश और दुनिया में अपनी पहचान स्थापित कर चुका इंदौर अब जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि शहर के तालाबों एवं उससे जुड़े जल मार्गों (चैनलों) पर हुए अतिक्रमणों को हटाने के लिये विशेष अभियान संचालित किया जायेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लिंबोदी तालाब के जीर्णोद्धार एवं सौदर्यीकरण के कार्यों का अवलोकन किया और श्रमदान किया। साथ ही नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई।इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मधु वर्मा, नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, अपर आयुक्त आशीष पाठक, बबलू शर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत बाल गृह के बच्चों के साथ शिक्षण, खेलकूद एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन

ग्वालियर (ए.)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत (माय भारत) केंद्र द्वारा आयोजित अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम सत्र 2026-27 के तहत 15 जून से 19 जून 2026 तक श्री शिवाजी शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति के अंतर्गत मां कैला देवी बालिका गृह के बच्चों के साथ विभिन्न शैक्षणिक, खेलकूद एवं व्यक्तित्व विकास गतिविधियों का आयोजन किया गया। "लर्निंग, केयरिंग एवं इंस्पायरिंग" की थीम पर आधारित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को सीखने, प्रेरित होने तथा उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए सकारात्मक वातावरण प्रदान करना रहा। कार्यक्रम के प्रथम दिवस बच्चों के साथ संवाद एवं परिचर्चा आयोजित की गई, जिसमें उनकी रुचियों, सपनों, शिक्षा एवं भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई। युवा स्वयंसेवकों ने बच्चों को आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के प्रथम दिवस बच्चों के साथ संवाद एवं परिचर्चा आयोजित की गई, जिसमें उनकी रुचियों, सपनों, शिक्षा एवं भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई। युवा स्वयंसेवकों ने बच्चों को आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। तृतीय दिवस "प्रकृति संरक्षण" विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा सभी बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण एवं पौधों की देखभाल का संकल्प लिया।

हाईवे का फुटपाथ धंसा, रेत से भरा डंपर पलटा, ट्रांसफार्मर से टकराया वाहन, बड़ा हादसा टला

मुरैना,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में नेशनल हाईवे-552 (जौरा रोड) पर गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। हाईवे के किनारे बना फुटपाथ अचानक धंस जाने से रेत से भरा एक भारी-भरकम डंपर पलट गया और पास में लगे बिजली ट्रांसफार्मर से जा टकराया। हादसे में चालक बाल-बाल बच गया, जबकि ट्रांसफार्मर और बिजली खंभे को नुकसान पहुंचा है।जानकारी के अनुसार, राजस्थान नंबर आरजे 11 जीसी 5353 का डंपर बैरियर चौराहा से जौरा की ओर रेत लेकर जा रहा था। मथुरा मार्केट के समीप एक अन्य वाहन को रास्ता देने के लिए चालक ने डंपर को सड़क किनारे उतारा। जैसे ही टनों वजनी डंपर के पहिए फुटपाथ पर पहुंचे, जमीन धंस गई और वाहन का संतुलन बिगड़ गया। देखते ही देखते डंपर पलट गया तथा उसके आधे पहिए जमीन में धंस गए। हादसे के दौरान डंपर की बॉडी पास में लगे बिजली ट्रांसफार्मर और खंभे से टकरा गई। डंपर से फैली रेत ने करीब 15 फीट ऊंचाई पर स्थापित ट्रांसफार्मर को आधा ढंक दिया, जबकि खंभा भी तिरछा हो गया। राहत की बात यह रही कि घटना के समय आसपास कोई राहगीर या अन्य वाहन मौजूद नहीं था, अन्यथा गंभीर जनहानि हो सकती थी। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। डंपर में परिवहन की जा रही रेत को लेकर भी जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक तौर पर रेत सिंध नदी क्षेत्र की बताई जा रही है, लेकिन चंबल क्षेत्र से अवैध उत्खनन की आशंका के चलते वन विभाग की टीम को बुलाया गया। अधिकारियों ने रेत के नमूने लेकर जांच के लिए भेज दिए हैं। सिविल लाइन थाना प्रभारी उदयभान यादव ने बताया कि चालक के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाकर दुर्घटना करने के मामले में प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं, फुटपाथ धंसने की वजह और हाईवे निर्माण की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल खड़े होने लगे हैं।

बिजली संकट से जूझ रहा ग्राम खेड़ा पहाड़, मोबाइल चार्ज कराने के लिए शहर का सहारा

शाजापुर, (ए.)। मध्य प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में बिजली की क्या हालत है यह किसी से छिपी नहीं है। मेंटेनेंस के बाद भी कटौती का दंश देने वाली बिजली कंपनी अपनी मनमानी से बाज नहीं आ रही, जिसकी कार्यप्रणाली लोगों में आक्रोश बढ़ा रही है। मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले के ग्राम खेड़ा पहाड़ के लोग भी इन दिनों बिजली कंपनी की ज्यादती का शिकार होकर अंधेरे में जीवन यापन कर रहे हैं। कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि गांव पर 80 हजार की राशि बकाया है। जबकि ग्रामीणों का कहना है कि अधिकांश लोगों ने बिल जमा कर दिए हैं और उन पर कोई बड़ा बकाया नहीं है। जिले के ग्राम खेड़ा पहाड़ में पिछले 15 दिनों से बिजली आपूर्ति ठप है। ट्रांसफार्मर (डीपी) जल जाने के कारण ग्रामीण भीषण गर्मी के बीच अंधेरे में जीवन बिताने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार शिकायत के बावजूद बिजली कंपनी के अधिकारी उनकी सुनवाई नहीं कर रहे हैं।

भ्रष्टाचार के विरोध में पोड़ी के ग्रमीणों ने किया चक्का जाम, घंटों बाधित रहा शहडोल-अमरकंटक मार्ग

अनूपपुर,(ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पोड़ी में विकास कार्यों में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की जांच की मांग को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश गुरुवार को सड़क पर फूटा और शहडोल-अमरकंटक मुख्य मार्ग पर ग्राम पोड़ी के समीप चक्का जाम कर प्रदर्शन किया, जिससे कई घंटों तक यातायात पूरी तरह बंद रहा और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। तहसीलदार एवं जनपद सीईओ और पुलिस के अधिकारी के आश्वासन के बाद जाम खुला। पुष्पराजगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पोड़ी के ग्रामीणों का आरोप था कि ग्राम पंचायत में विभिन्न निर्माण कार्यों के नाम पर लाखों रुपये का भुगतान किया गया, जबकि कई कार्य धरातल पर दिखाई नहीं देते। इस संबंध में पूर्व में कई बार जनसुनवाई और प्रशासनिक अधिकारियों को शिकायतें सौंपने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने पंचायत के जिम्मेदार पदाधिकारियों पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि शिकायतों के बावजूद मामले की जांच लंबित है, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। इसी के चलते ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रशासन का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

व्यापार समाचार

आज सोना-चांदी हुआ सस्ता या महंगा? खरीदारी करने से पहले चेक करें अपने शहर का भाव

नई दिल्ली, (आरएनएस)। वैश्विक स्तर पर हो रहे आर्थिक और राजनीतिक बदलावों के बीच आज भारतीय सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में महत्वपूर्ण हलचल देखी जा रही है. आज यानी 18 जून 2026 को सुबह 11ः00 बजे के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, देश के प्रमुख शहरों में सोने और चांदी के दामों में मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है.

आज भारतीय बाजार में चांदी की कीमत 2,46,430 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है. निवेशकों द्वारा अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के आगामी मौद्रिक नीति फैसलों को लेकर बरती जा रही सावधानी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव कम होने के कारण चांदी के दामों पर दबाव देखा जा रहा है.

शहरों के अनुसार सोने के भाव (प्रति 10 ग्राम)देश भर के अलग-अलग शहरों में स्थानीय टैक्स और मांग के कारण सोने के रेट्स में थोड़ा अंतर देखा जा रहा है।

दक्षिण भारत के शहरों में आज सोने की चमक सबसे ज्यादा है. हैदराबाद में 24 कैरेट सोना 1,52,640 रुपये और 22 कैरेट (ज्वेलरी ग्रेड) सोना 1,39,920 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेंड कर रहा है. वहीं, चेन्नई में 24 कैरेट का दाम 1,52,780 रुपये है.

देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,340 रुपये पर बिक रहा है. वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और कोलकाता में सोने के दाम सबसे कम यानी 1,52,130 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किए गए हैं.

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच हुए एक अंतरिम शांति समझौते के बाद वैश्विक ऊर्जा बाजारों में राहत मिली है. स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज के दोबारा पूरी तरह खुलने की उम्मीद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कम हुई हैं. तेल के दाम घटने से दुनिया भर में महंगाई का खतरा कम हुआ है, जिससे निवेशकों का ध्यान सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने से थोड़ा हटा है.

हालांकि, अमेरिकी अर्थव्यवस्था से आ रहे मिले-जुले आंकड़ों और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की धीमी रफ्तार की उम्मीदों के कारण सोने को निचले स्तर पर लगातार सपोर्ट भी मिल रहा है, जिससे कीमतों में बहुत बड़ी गिरावट नहीं देखी जा रही है.

अमेरिका-ईरान शांति समझौते से सस्ता हुआ कच्चा तेल, कीमतों में 1 प्रतिशत से ज्यादा गिरावट

नईदिल्ली (आरएनएस)। अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते की खबर के बाद गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक फीसदी से ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड की कीमत 89 सेंट यानी 1.12 फीसदी गिरकर 78.66 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई। वहीं, अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 98 सेंट यानी 1.28 फीसदी टूटकर 75.81 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार को उम्मीद है कि इस समझौते से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में आई रुकावट दूर हो सकती है।

अमेरिका और ईरान के बीच हुए 14 बिंदुओं वाले समझौते के तहत अगले 60 दिनों तक बातचीत जारी रहेगी। इसके साथ ही ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की निर्बाध आवाजाही की अनुमति देने पर सहमति जताई है। यह समुद्री मार्ग दुनियाभर में तेल और गैस की सप्लाई के लिए बेहद अहम माना जाता है। समझौते के अनुसार, अगले 30 दिनों में इस रास्ते को पूरी क्षमता के साथ दोबारा चालू करने का लक्ष्य रखा गया है।

शुरुआती समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम सहित कई बड़े मुद्दे अब भी सुलझ नहीं पाए हैं। समझौते में ईरान की आर्थिक बहाली के लिए 300 अरब डॉलर के फंड पैकेज का भी प्रस्ताव रखा गया है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी का मानना है कि अगर समझौता पूरी तरह लागू हो जाता है और होर्मुज जलडमरूमध्य सामान्य रूप से खुल जाता है, तो दुनिया में तेल की आपूर्ति तेजी से बढ़ सकती है और बाजार की तस्वीर बदल सकती है।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने अनुमान लगाया है कि समझौता पूरी तरह लागू होने पर 2027 तक दुनिया में तेल की आपूर्ति मांग से प्रतिदिन 50.5 लाख बैरल ज्यादा हो सकती है। इससे बाजार में अतिरिक्त सप्लाई की स्थिति बन सकती है और कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। आने वाले समय में तेल बाजार की दिशा काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगी कि अमेरिका और ईरान अपने अंतरिम समझौते को किस तरह आगे बढ़ाते हैं।

अमेरिका-ईरान युद्ध खत्म होने पर शेयर बाजार में जबरदस्त उछाल, निवेशकों ने कमाए 3 लाख करोड़

मुंबई(आरएनएस)। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के सत्र में लगातार पांचवे दिन तेजी के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 254.36 अंक या 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,409.98 और निफ्टी 82.30 अंक या 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,168.00 पर था। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 255.90 अंक या 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 62,379.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 82.40 अंक या 0.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,705.60 पर बंद हुआ।

बाजार में तेजी का नेतृत्व हेल्थकेयर और रियल्टी ने किया। सूचकांकों में निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी रियल्टी टॉप गेनर थे। निफ्टी पीएसई, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सर्विसेज गेनर्स थे।

वहीं, निफ्टी आईटी, निफ्टी मेटल और निफ्टी ऑयलएंडगैस लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स पैक में इंडिगो, ट्रेंट, बीईएल, एनटीपीसी, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, एचयूएल, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, सन फार्मा, एमएंडएम और आईटीसी गेनर्स थे। इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, टीसीएस, एलएंडटी, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन और भारती एयरटेल लूजर्स थे।

बाजार के जानकारों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार ने सत्र में एक सीमित दायरे में सकारात्मक रुख के कारोबार किया, क्योंकि अमेरिका-ईरान शांति समझौते को लेकर शुरुआती उत्साह यूएस फेड के सख्त बयानों से कुछ कम हो गया है।

ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई का दबाव बढ़ सकता है, जिससे केंद्रीय बैंक साल के आखिरी हिस्से में ब्याज दरें बढ़ाने पर विचार कर सकते हैं; ऐसे में निवेशक सतर्क रुख अपना सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट और भारतीय बॉन्ड यील्ड में नरमी से वित्त वर्ष 27 की दूसरी छमाही में महंगाई से जुड़ी चिंताएं कम हो सकती हैं, लेकिन बाजार अभी शांति समझौते पर और स्पष्टता का इंतजार कर रहा है।

टाटा मोटर्स का बड़ा फैसला : 1 जुलाई से 2.5 प्रतिशत तक महंगे होंगे सभी कमर्शियल वाहन

मुंबई(आरएनएस)। भारत की सबसे बड़ी कमर्शियल वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने अपने ग्राहकों को एक बड़ा झटका दिया है. कंपनी ने घोषणा की है कि वह 1 जुलाई 2026 से अपने सभी कमर्शियल वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी करने जा रही है. कंपनी के मुताबिक, यह बढ़ोतरी अलग-अलग मॉडल और वेरिएंट के आधार पर अधिकतम 2.5 प्रतिशत तक होगी. टाटा मोटर्स ने एक आधिकारिक बयान जारी कर इस फैसले के पीछे की मुख्य वजहों का खुलासा किया है. कंपनी का कहना है कि ऑटोमोबाइल सेक्टर में पिछले कुछ समय से स्टील, एल्युमिनियम और अन्य जरूरी कच्चे मालों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं. इस वजह से वाहनों के उत्पादन की लागत में काफी इजाफा हुआ है. उत्पादन खर्च के इस बढ़े हुए बोझ को कम करने के लिए कंपनी को मजबूरन कीमतों में संशोधन का फैसला लेना पड़ा है.यह मूल्य वृद्धि कंपनी के पूरे कमर्शियल व्हीकल पोर्टफोलियो पर लागू होगी. इसका सीधा असर टाटा के ट्रकों, बसों, पिक-अप गाड़ियों और यूटिलिटी वाहनों की कीमतों पर पड़ेगा. छोटे लॉजिस्टिक्स कारोबारियों से लेकर बड़े सार्वजनिक परिवहन ऑपरेटरों तक, सभी को अब नए वाहन खरीदने के लिए पहले से अधिक जेब ढीली करनी होगी.टाटा मोटर्स भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार का एक बेहद मजबूत स्तंभ है. लगभग 180 अरब डॉलर वाले विशाल टाटा ग्रुप का हिस्सा होने के नाते, कंपनी के पास कमर्शियल मोबिलिटी क्षेत्र में आठ दशकों से भी अधिक का लंबा अनुभव है. भारत के अलावा टाटा मोटर्स का कारोबार दक्षिण कोरिया, अफ्रीका, मिडिल ईस्ट, लैटिन अमेरिका और दक्षिण पूर्व एशिया सहित कई वैश्विक बाजारों में फैला हुआ है. कंपनी अपने आधुनिक पावरट्रेन और कनेक्टेड व्हीकल टेक्नोलॉजी के लिए जानी जाती है.

केंद्र ने ईपीएफ पर वित्त वर्ष 26 के लिए 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर को दी मंजूरी, 7 करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर को होगा फायदा

नई दिल्ली(आरएनएस)। केंद्र सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जमा पर वित्त वर्ष 26 के लिए 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर को मंजूरी दे दी है। इससे कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में योगदान देने वाले 7 करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर्स को फायदा होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईपीएफओ की निर्णय लेने वाली इकाई सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्ट (सीबीटी) द्वारा 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर को वित्त मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। ईपीएफ पर ब्याज दर इस महीने के आखिर में क्रेडिट हो सकती है। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता वाली सीबीटी ने 2 मार्च, 2026 को वित्त वर्ष 2026 के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर को 8.25 प्रतिशत पर बनाए रखने का फैसला किया था। यह लगातार तीसरा साल है जब रिटायरमेंट फंड बॉडी ने अपने सब्सक्राइबर्स के लिए ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया है। सीबीटी के फैसले के बाद, मंजूरी के लिए प्रस्ताव वित्त मंत्रालय को भेजा गया था, क्योंकि सरकार ईपीएफ जमा राशि की गारंटी देती है। मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद, अब ईपीएफओ सदस्यों के खातों में ब्याज जमा करने की प्रक्रिया शुरू कर सकता है।

यह खबर ऐसे समय पर सामने आई है, जब सरकारी संस्था अपने आने वाले ईपीएफओ 3.0 प्लेटफॉर्म के तहत बड़े डिजिटल सुधार लागू करने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईपीएफओ एक ऐसी सुविधा शुरू करेगी जिससे सब्सक्राइबर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ऐप्स और ईपीएफ से जुड़े खाते के एटीएम के जरिए प्रोविडेंट फंड का पैसा निकाल सकेंगे।

अब सिर्फ 49 रुपये में रिजर्व होगी कैब, यात्री इस तरह उठा सकेंगे फायदा

नई दिल्ली(आरएनएस)। देश की प्रमुख एयरलाइन कंपनी IndiGo ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नई कैब सेवा 'Cabs with IndiGo' शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी का दावा है कि इस सेवा के माध्यम से यात्रियों को एयरपोर्ट तक पहुंचने और वहां से अपने गंतव्य तक जाने के लिए समय पर और भरोसेमंद कैब उपलब्ध हो सकेगी।एयरलाइन के अनुसार, अक्सर यात्रियों को एयरपोर्ट आने-जाने के दौरान कैब की अनुपलब्धता, अधिक किराया या अंतिम समय में राइड रद्द होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। नई सेवा का उद्देश्य इन चुनौतियों को दूर करना है, ताकि यात्रा का अनुभव अधिक सुविधाजनक और तनावमुक्त बनाया जा सके। इंडिगो के मुख्य डिजिटल एवं सूचना अधिकारी Neetan Chopra ने कहा कि कंपनी केवल उड़ान सेवाएं प्रदान करने तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि यात्रियों की पूरी यात्रा को सहज बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने बताया कि ÒCabs with IndiGo' इसी प्रयास का हिस्सा है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

लोगों में चिंता

नेता विपक्ष का सनसनीखेज बयान उस वक्त आया है, जब लोगों में चिंता बढ़ रही है। उधर युवा असंतोष की अभिव्यक्ति के रूप में सोशल मीडिया पर उभरी कॉकरोच जनता पार्टी सड़क पर उतरने जा रही है।राहुल गांधी के इस बयान से अनिश्चय और अस्थिरता के माहौल को हवा मिलेगी कि नरेंद्र मोदी सरकार का प्रशासन पर से नियंत्रण खत्म हो रहा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने दावा किया कि निर्वाचन आयोग, खुफिया एजेंसियों और न्यायपालिका के अंदर से उन्हें संदेश मिल रहे हैं, जिसका सार है कि सिस्टम पर कंट्रोल ढह रहा है। गांधी ने दावा किया कि ऊंचे पदों पर बैठे लोग चुनाव प्रक्रिया पर लोगों में बढ़े अविश्वास और आर्थिक दिक्कतों के कारण संभावित जन प्रतिक्रिया को लेकर चिंतित हैं। कांग्रेस नेता यह कहने की हद तक चले गए कि साल भर के अंदर या तो मोदी सरकार गिर जाएगी या संभव है कि वह इमरजेंसी लगाने जैसे कदम उठा ले!

नेता विपक्ष ने यह सनसनीखेज बयान उस वक्त दिया है, जब गहराते आर्थिक एवं वित्तीय संकट को लेकर चिंता बढ़ रही है, परीक्षा व्यवस्था में जाहिर हुई गड़बड़ियों से युवा वर्ग नाराज है, तथा इन हालात के प्रतिक्रिया स्वरूप सोशल मीडिया पर उभरी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार से सड़क पर उतरने का इरादा जताया है। बुधवार को सीजेपी की पहली प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया का खूब जमावड़ा लगा। शनिवार को प्रस्तावित उसके विरोध प्रदर्शन को कई मशहूर शख्सियतों का समर्थन मिला है। ये परिघटना अपने- आप में समाज खासकर नौजवानों में गहराए असंतोष का संकेत है। इसके बीच विपक्ष के नेता का यह कहना कि आ रही आर्थिक सुनामी को रोकना अब संभव नहीं है और प्रशासनिक तौर पर देश फुल कंट्रोल से आउट ऑफ कंट्रोल के दौर में जा रहा है, देश के निकट एवं मध्यकालिक भविष्य को लेकर नई आशंकाओं को जन्म देगा। ऐसे हालात बनने का एक बड़ा कारण सत्ता पक्ष की तरफ हर विरोध और असहमति के प्रति अपनाई गई असहनशीलता है। इससे राजनीति एवं समाज के स्तर पर असहमत खेमों के बीच संवाद टूटा हुआ है। बहरहाल, अब हालात बेहद चिंताजनक रूप ले रहे हैं। अत: अपेक्षित है कि शासक दल संवाद के तार जोड़े। विपक्ष एवं असंतुष्ट समूहों को शिकायतों के निवारण के प्रति आश्वस्त कर ही बढ़ते अविश्वास पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

विश्व शांति एवं संतुलन के लिए आत्ममंथन हो जी-7 बैठक में

– ललित गर्ग

फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन पर इस समय पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा सुरक्षा और युद्ध जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का यह मंच एकत्रित हुआ है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या जी-7 आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रभावशाली है, जितना उसकी स्थापना के समय था? क्या यह संगठन वास्तव में वैश्विक समस्याओं के समाधान का मंच बन पाया है अथवा यह कुछ शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा का माध्यम बनकर रह गया है? क्या इस मंच की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने स्वार्थों के चलते धुंधलाने में लगे हैं? विश्व में शांति स्थापना, संतुलित आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बने विभिन्न वैश्विक संगठनों की सफलता का मूल्यांकन उनके परिणामों से होता है, न कि उनके घोषणापत्रों से। दुर्भाग्य से जी-7 के संदर्भ में यह प्रश्न बार-बार उठता रहा है कि उसके निर्णयों और घोषणाओं का वास्तविक प्रभाव कितना है। पिछले वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का संकट, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन की चुनौती और बढ़ती व्यापारिक प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याओं के समाधान में यह संगठन अपेक्षित भूमिका निभाने में सफल नहीं दिखा है।

जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इसकी दिशा और नीति निर्धारण पर अमेरिका का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है। विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति ने सहयोग के बजाय दबाव और वर्चस्व की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों के साथ भी कई बार ऐसा व्यवहार किया है, मानो वे साझेदार नहीं बल्कि अमेरिकी नीतियों का अनुसरण करने वाले अनुयायी हों। टैरिफ युद्ध, व्यापारिक प्रतिबंध, रक्षा व्यय को लेकर दबाव और अनेक एकतरफा निर्णयों ने सदस्य देशों के बीच अविश्वास बढ़ाया है। विशेषत: ईरान- इजरायल युद्ध ने समूची दुनिया की अर्थव्यवस्था का धराशायी कर दिया और यह अब अमेरिका के कारण ही हुआ है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में हिंसक संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को एक व्यापक युद्ध की आशंका से भर दिया था। ईरान, इजरायल और इस क्षेत्र के अनेक गैर-राज्यीय समूह आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। इस संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र होर्मुज जलमार्ग बन गया था, जहां से विश्व के लगभग पांचवें हिस्से का तेल गुजरता है। जी-7 समूह के देश भी इसको लेकर बंटे हुए थे।

यही कारण है कि जी-7 के भीतर आज पहले जैसी एकजुटता दिखाई नहीं देती। फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और जापान जैसे देश कई मुद्दों पर अमेरिका से अलग दृष्टिकोण रखते हैं। ईरान युद्ध ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रश्न पर, वैश्विक व्यापार के नियमों पर और बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका को लेकर भी मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में यह अपेक्षा करना कठिन है कि यह संगठन विश्व की जटिल समस्याओं के समाधान के लिए कोई सर्वमान्य और प्रभावी रणनीति प्रस्तुत कर पाएगा। इस सम्मेलन में भारत की उपस्थिति विशेष महत्व रखती है। भारत भले ही जी-7 का सदस्य न हो, लेकिन उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिष्ठा और विकासशील देशों के प्रतिनिधि स्वरूप ने उसे इस मंच का एक महत्वपूर्ण सहभागी बना दिया है। यह अवसर केवल भारत की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने का नहीं, बल्कि उन विकासशील और निर्धन देशों की आकांक्षाओं को मुखर करने का भी है, जिनकी आवाज अक्सर वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में दब जाती है।

आज अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देश आर्थिक संकट, खाद्य असुरक्षा, जलवायु आपदाओं और ऋण के बोझ से जूझ रहे हैं। उनकी प्राथमिकताएं जी-7 देशों की प्राथमिकताओं से भिन्न हैं। इसलिए भारत को यह प्रश्न उठाना चाहिए कि क्या विश्व की दिशा तय करने का अधिकार केवल कुछ विकसित देशों तक सीमित रहना चाहिए? क्या वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रतिनिधिक नहीं बनाया जाना चाहिए? यह समय विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने और वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की चिंताओं को केंद्र में लाने का है। जी-7 की प्रासंगिकता पर सबसे बड़ा प्रश्न उसकी प्रभावशीलता को लेकर है। यदि कोई संगठन विश्व की प्रमुख समस्याओं को रोकने या सुलझाने में सक्षम नहीं है, तो उसकी उपयोगिता स्वत: प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध वर्षों से जारी है। पश्चिम एशिया लगातार अशांत बना हुआ है। आतंकवाद और कट्टरता की चुनौतियां बनी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया अभूतपूर्व संकटों का सामना कर रही है। इसके बावजूद वैश्विक नेतृत्व देने का दावा करने वाले मंचों की उपलब्धियां सीमित दिखाई देती हैं।हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने तथा शांति और सहमति की दिशा में बढ़ने की खबरों ने पूरी दुनिया को राहत दी है। लंबे समय से चल रहे तनाव के कारण पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ रही थी और इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा था। जैसे ही दोनों देशों के बीच समझौते और संवाद की संभावनाएं मजबूत हुईं, दुनिया भर के वित्तीय बाजारों में सकारात्मक संकेत दिखाई दिए। निवेशकों का विश्वास बढ़ा, ऊर्जा बाजार में स्थिरता के संकेत मिले और तेल की कीमतों में नरमी आई। इससे स्पष्ट है कि शांति केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं होती, बल्कि उसका सीधा संबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता और आम नागरिक के जीवन से भी होता है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है।

भारत के विकास का आधार: आधारभूत संरचना

पिछले एक दशक में, भारत ने परिवहन, आवास, जल, ऊर्जा, रसद और डिजिटल नेटवर्क सहित विभिन्न क्षेत्रों में ढ़ांचागत निर्माण में नई रफ्तार हासिल की है। बड़े पैमाने पर किए गए निवेशों से आवागमन में सुधार हुआ है, सेवा वितरण मजबूत हुआ है, डिजिटल पहुंच व्यापक हुई है और विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को समर्थन मिला है। प्रगति, पीएम गतिशक्ति, राष्ट्रीय रसद नीति, सागरमाला, पीएम-वानी, जल जीवन मिशन और उड़ान जैसी एकीकृत नियोजन पहलों ने एक जुड़े हुए और प्रतिस्पर्धी भारत की परिकल्पना को आकार दिया है। इन पहलों ने प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाया है और भारत को एक आधुनिक और एकीकृत अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर होने में सहयोग दिया है।

राष्ट्र निर्माण के साधन के रूप में आधारभूत संरचना

आधारभूत संरचना आज पूरे देश में रोजमर्रा की जिंदगी और अनुभवों को आकार देती है। सड़कें, रेलवे, हवाई अड्डे, डिजिटल नेटवर्क, आवास, जल आपूर्ति और स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों ने ज़रुरी सेवाओं तक पहुंच का विस्तार किया है। इन प्रणालियों ने लोगों के यात्रा करने, डिजिटल रूप से जुड़ने और आर्थिक गतिविधियों में भाग लेने के तरीके को भी प्रभावित किया है। 2014 के बाद से, आधारभूत संरचना विकास तेजी से व्यापकता, एकीकरण और दीर्घकालिक क्षमता निर्माण पर केंद्रित हो गया है। इस अवधि के दौरान एक बड़ा बदलाव आधारभूत संरचना नियोजन का एकीकरण था, जो पहले की खंडित परियोजना क्रियान्वयन की प्रथा के उलट था। सार्वजनिक पूंजीगत व्यय वित्त वर्ष 2014-15 में लगभग 2 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 में 12.2 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह सभी क्षेत्रों में दीर्घकालिक ढ़ांचागत निर्माण पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है। सागरमाला, भारतमाला, पीएम गतिशक्ति, पीएमएवाई, जल जीवन मिशन, पीएम उज्ज्वला योजना और उड़ान जैसी प्रमुख परियोजनाओं ने अवसंरचना तक पहुंच का विस्तार किया। इन पहलों ने ढ़ांचागत विकास को घरेलू कल्याण, आर्थिक अवसर और क्षेत्रीय विकास से जोड़ा। परिवहन नेटवर्क आर्थिक एकीकरण की रीढ़ की हड्डी हैं। राजमार्गों और रेल मार्गों से लेकर हवाई अड्डों, जलमार्गों और शहरी परिवहन प्रणालियों तक, परिवहन के विभिन्न साधनों में किए गए निवेश ने संपर्क को और मजबूत किया है। ये नेटवर्क मिलकर एक अधिक सुगम और एकीकृत गतिशील तंत्र का निर्माण कर रहे हैं। भारतीय रेलवे के बुनियादी ढांचे में 2014 से व्यापक परिवर्तन हुए हैं, जिससे परिचालन में क्षमता, दक्षता, सुरक्षा और सेवा वितरण में सुधार हुआ है। बजटीय सहायता 2014-15 में लगभग 32,000 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 में 2.78 लाख करोड़ हो गई, जो लगभग नौ गुना वृद्धि है।

विद्युतीकरण में तेजी से प्रगति हुई है, जो 2014 से पहले लगभग 20 प्रतिशत नेटवर्क से बढ़कर मार्च 2026 तक 99.6 प्रतिशत हो गया। कुल 69,873 किलोमीटर मार्ग का विद्युतीकरण किया गया है, जिससे ऊर्जा दक्षता में सुधार हुआ है और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम हुई है। इस परिवर्तन से परिचालन लागत में भी कमी आई है और पर्यावरण के अनुकूल रेलवे संचालन को बढ़ावा मिला है।

भारत की स्वदेशी वंदे भारत ट्रेनें बेहतर गति, आराम और ऑनबोर्ड तकनीक प्रदान करके आधुनिक रेल यात्रा को और भी बेहतर बनाती हैं। अप्रैल 2026 तक, देश भर में 162 वंदे भारत सेवाएं परिचालन में हैं। 16 और 20 कोच वाली अधिक क्षमता वाली ट्रेनों से यात्रियों की सुविधा और आवागमन में सुधार हो रहा है। जनवरी 2026 में शुरू हुई वंदे भारत स्लीपर में पहले तीन महीनों में 119 ट्रिप में 1.21 लाख यात्रियों ने सफर किया, जिसमें 100 प्रतिशत सीटें भरी रहीं। भारतीय रेलवे ने अमृत भारत एक्सप्रेस के ज़रिए किफायती लंबी दूरी की यात्रा को भी बढ़ावा दिया है। कुल 60 ट्रेन सेवाएं अब चालू हैं, जिससे निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए संपर्क और यात्री सुविधा में सुधार हुआ है।

भारत मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (एमएएचएसआर) कॉरिडोर के साथ अपने हाई-स्पीड रेल बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ा रहा है, जिसका निर्माण कार्य वर्तमान में जारी है। 508 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर को 320 किमी प्रति घंटे तक की गति से चलने के लिए डिज़ाइन किया गया है और यह उन्नत रोलिंग स्टॉक, सिग्नलिंग और ट्रेन नियंत्रण प्रणालियों द्वारा समर्थित है। केंद्रीय बजट 2026-27 में देश भर में सात नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की योजनाओं की भी घोषणा की गई।

अमृत भारत स्टेशन योजना (2023) रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए शुरू की गई थी। इस योजना के तहत, चिन्हित 1,338 स्टेशनों में से 208 स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्य पूरा किया गया। सुरक्षा प्रणालियों और परिचालन उन्नयन ने रेलवे नेटवर्क में विश्वसनीयता को भी मजबूत किया। ट्रेनों की समयबद्धता 77 प्रतिशत से अधिक हो गई, जिसमें 24 डिवीजनों ने 90त्न से अधिक समय पर चलने का प्रदर्शन हासिल किया।

भारत की स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच के ज़रिए रेल सुरक्षा को और मजबूत किया गया है। यह तकनीक ट्रेनों की गति पर नज़र रखती है और टक्करों और असुरक्षित संचालन को रोकने के लिए स्वचालित रूप से ब्रेक लगाती है। कवच प्रणाली को 3,103 किलोमीटर मार्ग पर लागू किया जा चुका है, जबकि प्रमुख गलियारों में 24,427 किलोमीटर मार्ग पर इसका कार्यान्वयन जारी है।

यह प्रणाली 4,277 लोकोमोटिव पर भी स्थापित की जा चुकी है और 8,979 लोकोमोटिव पर कार्य प्रगति पर है। कवच संस्करण 4.0 को दिल्ली-मुंबई, दिल्ली-हावड़ा और प्रयागराज-कानपुर जैसे प्रमुख मार्गों पर चालू कर दिया गया है। परिणामस्वरूप, ट्रेन दुर्घटनाएं 2014-15 में 135 से घटकर 2025-26 में 16 रह गईं।

समर्पित कार्गो अवसंरचना और मल्टीमॉडल प्रणालियों के माध्यम से माल ढुलाई और लॉजिस्टिक्स एकीकरण में भी सुधार हुआ है। पीएम गति शक्ति योजना के तहत, 139 टर्मिनल चालू हो गए हैं, जबकि 300 अतिरिक्त स्थानों के विकास को मंजूरी दी गई है। इन टर्मिनलों ने कार्गो हैंडलिंग दक्षता को बढ़ाया है, पारगमन में देरी को कम किया है और विभिन्न क्षेत्रों में आपूर्ति श्रृंखला संपर्क को मजबूत किया है। प्रमुख आधारभूत संरचना परियोजनाओं ने दुर्गम भूभागों और रणनीतिक क्षेत्रों में संपर्क को मजबूत किया है।चेनाब पुल (2025): चेनाब नदी से 359 मीटर ऊपर स्थित, यह विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे मेहराब पुल है। 1,315 मीटर लंबी यह स्टील से बना पुल तेज हवाओं और भूकंपीय स्थितियों का सामना करने के लिए निर्मित है। यह पुल जम्मू और श्रीनगर के बीच संपर्क को मजबूत करता है और यात्रा के समय को कम करता है।अंजी खड़ पुल (2025): अंजी खड़ पुल जम्मू और कश्मीर में भारत का पहला केबल-स्टे रेलवे पुल है। यह पुल क्षेत्र में आवागमन, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। पंबन पुल (2025): भारत का पहला वर्टिकल-लिफ्ट रेलवे समुद्री पुल उन्नत तटीय इंजीनियरिंग के ज़रिए रामेश्वरम को मुख्य भूमि से जोड़ता है। 2.07 किमी लंबे इस पुल में निर्बाध रेलवे और समुद्री आवागमन के लिए 72.5 मीटर का वर्टिकल लिफ्ट स्पैन है। बैराबी-सैरांग (2025): 51.38 किमी लंबी इस रेलवे लाइन ने चुनौतीपूर्ण पहाड़ी इलाकों से गुजरते हुए मिजोरम तक रेल संपर्क को मजबूत किया है। यह परियोजना 45 सुरंगों से होकर गुजरती है और पूर्वोत्तर के लिए एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक उपलब्धि है।

सहूलियत, सम्मान और सेहत... हर घर नल से बदली जिंदगी

कमलेश साहू

रोज सुबह उठते ही घर में नल से साफ पानी आते देखने की खुशी क्या होती है, इसे कमली से पूछिए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव को अपने आंगन में लगे नल से आ रहे पानी की धार को दिखाते खुशी से उनकी आंखें डबडबा गईं। जल जीवन मिशन ने कमली जैसी हजारों महिलाओं को अमूल्य खुशियां दी हैं। कभी पीने और निस्तारी के पानी के लिए दिनभर चिंतित रहने वाली इन महिलाओं का जीवन घर में लगे नल ने बदल दिया है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री अरुण साव अपने चार दिनों के बस्तर प्रवास के दौरान जल जीवन मिशन का काम देखने कमली के भी गांव पहुंचे। कमली के गांव बस्तर जिले के तोकापाल विकासखण्ड के दुगनपाल में उन्होंने कुछ और घरों में भी जाकर नल से पानी आते देखा। जल जीवन मिशन से घर में पानी पहुंचने की खुशी सभी महिलाओं के चेहरे पर दिख रही थी। जल जीवन मिशन दूरस्थ गांवों और वनांचलों की महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव ला रहा है। आधी आबादी के एक बड़े हिस्से को पीने के पानी के लिए रोज जूझना पड़ता था। खासतौर से गर्मियों के दिनों में जब हर साल सिर पर पानी के बर्तन का सफर कुछ सौ मीटरों से कुछ किलोमीटरों में बदल जाता था। जीवन के लिए अनिवार्य जरुरत पानी की व्यवस्था गर्मियों में महिलाओं का जीवन दुष्कर बना देती थी। दुगनपाल में भी महिलाओं को रोज गांव के हैंडपंप या कुआं पर जाकर घर के सभी लोगों के लिए पानी का इंतजाम करना पड़ता था। घर में नल लग जाने से अब इस समस्या से निजात मिल गई है। जल जीवन मिशन के काम जैसे-जैसे पूरे होते जा रहे हैं, महिलाओं की बाहर से पानी लाने की चिंता और तकलीफ दूर होते जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में अब तक साढ़े आठ हजार से अधिक योजनाओं को पूर्ण कर संचालन के लिए पंचायतों को सौंपा जा चुका है।

मेष राशि: आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज व्यापारियों के लिए दिन शुभ हैं। धनलाभ होने के आसार नजर आ रहे हैं। साझेदारी करना आज आपके लिये फायदेमंद रहेगा। जमीन से जुड़ा बड़ा मामला सुलझ जायेगा।

वृष राशि: आज का दिन नया बदलाव लाने वाला है। प्रॉपर्टी डीलर के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा अचानक धन लाभ होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। स्वास्थ्य आज फिट रहेगा। सुबह-सुबह व्यायाम करने से सेहत अच्छी बनी रहेगी। इस राशि की महिलाओं को आज जीवनसाथी से सरप्राइज मिल सकता है, जिससे पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छा रहने वाला है। आज आपके काम में आत्मविश्वास की झलक दिखाई देगी। आज आप दूसरों को अपनी बातों से अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे। आज रुका हुआ काम अपनों की मदद से पूरा हो जायेगा। इस राशि के छात्रों को आज प्रतियोगी परीक्षा से संबंधी शुभ समाचार मिलने वाला है, जिसे सुनकर आपके चेहरे खिल उठेंगे। आज जीवनसाथी की राय आपके लिए कारगर साबित होगी।

कर्क राशि: आज का दिन खुशियां लेकर आने वाला है। पहले किया हुआ काम आज पूरा हो जायेगा। जिसका सकारात्मक परिणाम आपको मिलेगा। आज अपना धैर्य बनाये रखें और समय के साथ चलें। अपने जज़्बात काबू में रखें., फायदा होगा। आज आपको तरक्की के नये रास्ते मिलेंगे। दिक्कतों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की क्षमता आपको खास पहचान दिलाएगी।

सिंह राशि: आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि के कारोबारी अपनी प्लानिंग गुप्त रखेंगे, तो सफलता जरूर हासिल होंगी। आज आपके सोचे हुए काम पूरे हो जायेंगे। किसी काम में निवेश करने से पहले अच्छी तरह से जांच-पड़ताल कर लें।

कन्या राशि: आज किस्मत आपका पूरा साथ देगी। जीवनसाथी आज कुछ ऐसा काम करेंगे, जिसे देखकर आपका मन प्रसन्न हो जायेगा। कारोबार में आज कुछ ऐसी बाते सामने आएंगी, जो भविष्य में फायदेमंद रहेगी।

तुला राशि: आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जायेगा, कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। किसी काम से आज आपको बड़ा फायदा होने वाला है, साथ ही अधूरा काम पूरा हो जायेगा। आज कुछ निजी काम में आपको बहन का सहयोग उम्मीद से अधिक मिलने वाला है।

वृश्चिक राशि: आज का दिन अनुकूल रहेगा। इस राशि के लोग आज समझदारी से काम करेंगे तो आपको फायदा जरूर होने वाला है। बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। पदोन्नति का अवसर मिलने के आसार बन रहे हैं। आज आपके मन में अधिक पैसे कमाने के नये विचार आयेंगे। मुश्किल परिस्थिति में आज किसी मित्र का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अगर आज कहीं यात्रा पर जा रहे है तो फायदा होने वाला है। यात्रा पर जाने से पहले सभी ज़रूरी दस्तावेज़ साथ रखना न भूलें। आज थोड़ा आलस्य महसूस हो सकता है। आज आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। आपका आकर्षक और चुम्बकीय व्यक्तित्व लोगों का ध्यान अपनी तरफ़ खींचेगा।

मकर राशि: आज का दिन नई सौगात लेकर आयेगा। कारोबार में वृद्धि के लिये आज का दिन शुभ है। पहले से बनी योजनाओं को लागू करना आज ठीक रहेगा। आस-पास के लोग आज आपसे खुश रहेंगे। पुरानी टेंशन आज खत्म होगी।

कुंभ राशि: आज आपका मन अध्यात्म में अधिक लगा रहेगा। ऑफिस में आपका प्रभाव बढ़ेगा। नवविवाहित दंपत्ति को किसी सामाजिक समारोह में जाना पड़ सकता है। वहां किसी खास व्यक्ति से मुलाकात होगी। नए व्यापार में माता-पिता की राय कारगर रहेगी। स्टूडेंट्स का पढ़ाई में मन लगेगा।

मीन राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। सेहत पहले से बेहतर रहेगी। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीजें सुधर रही हैं। कॉलेज में दोस्तों के साथ हंसी-मजाक होगा।

आखिर कौन है अलीबाबा! राममंदिर चंदा गबन का अहम किरदार

– मनोज कुमार अग्रवाल

अयोध्या में श्री राम मंदिर की दान की राशि में हेरफेर कर करोड़ों रुपये के गबन का मामला इन दिनों सुर्खियों में है। इस मामले में अब पांच किरदार सामने आए हैं। ये सभी दान राशि की गिनती की ड्यूटी से जुड़े हैं। बताया जा रहा है कि इनके खिलाफ पुख्ता सुबूत भी मिले हैं। अभी भी वह राज खोल रहे हैं। हालांकि हेरफेर के पीछे किसकी शह थी, क्या कोई बड़ा शख्स इसका साजिशकर्ता है? आखिर कौन है वह जो जानबूझकर इस मामले को दबाने के लिए कथित आंतरिक कमेटी बना कर अपने पापों पर परदा डालने की कोशिश करते रहे देर सवेर इस बड़े किरदार के धतकरम के सारे राज सामने आएंगे तो बहुत से लोगों को गहरा धक्का लगा सकता है। करीब एक सप्ताह पहले राम मंदिर में आए चढ़ावे और दान (चंदे) में कथित गड़बड़ियों और चोरी को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। आरोपों के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने एक विशेष जांच दल का गठन किया है, जो पूरे मामले की जांच कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार ने दान में हेराफेरी के आरोपों की जांच के लिए 3 सदस्यीय SIT का गठन किया है। इसे 7 दिन में प्रारंभिक और 15 दिन में अंतिम रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। मंदिर के दानपात्र और चढ़ावे की गिनती का काम करने वाले कुछ कर्मचारी जांच के घेरे में हैं। 18-20 हजार रुपये प्रतिमाह कमाने वाले कर्मचारियों द्वारा डेढ़ करोड़ रुपये तक की जमीन खरीदने की बात सामने आई है। एक कर्मचारी के घर से भारी नकदी बरामद होने की बात भी सामने आई है। पुलिस ने संदेह के आधार पर कर्मचारियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने इस मामले को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। वहीं, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने आंतरिक ऑडिट का हवाला देते हुए किसी बड़ी गड़बड़ी से फिलहाल इनकार किया है। आपको बता दें कि कुछ ऐसे विडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिनमें दान की गिनती के दौरान कर्मचारी और पुजारी रूपये की गड्डी हेरफेर कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रमाशंकर से पूछताछ जारी है । रिकवरी भी की गई है। ।इससे ये स्पष्ट हो गया है कि इनकी इसमें भूमिका है लेकिन इतने संवेदनशील जगह से रकम पार करते रहने और पकड़ा न जाना कई सवाल खड़े करता है। जब वह पकड़े गए हैं तब तक करोड़ों की रकम इधर से उधर की जा चुकी है। ऐसे में अंदेशा है कि क्या इसके पीछे किसी बड़े शख्स की साजिश है। वह ट्रस्ट से जुड़ा या फिर किसी अन्य विभाग आदि से है। फिलहाल इसको लेकर कोई स्पष्टता नहीं है इतने संवेदनशील व बड़े मामले में अब तक ट्रस्ट के किसी बड़े जिम्मेदार ने कोई बयान जारी नहीं किया है। हर कोई खामोश है। इसलिए तमाम तरह की चर्चाओं व कयास का दौर जारी है। ट्रस्ट से जुड़े जुड़े दो ऐसे लोग भी हैं, जिन पर कई सवाल उठ रहे हैं। उनकी कोई भूमिका है या नहीं, ये तभी पता चल सकेगा जब कोई एजेंसी या एसआईटी मामले की विस्तृत जांच करेगी। ट्रस्ट से जुड़े एक पदाधिकारी का टिन्नू करीबी है। वह दशकों से उनसे जुड़ा है। जिन पांच संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है, उसमें शामिल रमाशंकर का टिन्नू रिश्तेदार भी है। सूत्रों के मुताबिक टिन्नू का हस्तक्षेप हर किसी काम में रहता था। इसलिए उस पर सवाल उठ रहे हैं। उसको लेकर ट्रस्ट के एक पूर्व पदाधिकारी ने कैमरे सामने गंभीर आरोप लगाए थे। पुलिस अधिकारी का कहना है कि मामले में कोई लिखित शिकायत तक नहीं मिली है। लिहाजा पूछताछ आदि का सवाल ही नहीं उठता है। पुलिस के बड़े अधिकारी भी खामोश हैं। हालांकि सूत्रों का कहना है कि पूछताछ से लेकर रिकवरी की प्रक्रिया में पुलिस की एक टीम लगी है। राम मंदिर की दान राशि में गबन के मामले में अब तक 2.98 करोड़ रुपये की रिकवरी की जा चुकी है। यह रकम पकड़े गए संदिग्धों की निशानदेही पर बरामद की गई है। गुपचुप ढंग से चल रही जांच में आठ करोड़ रुपये से अधिक के हेरफेर के संकेत व साक्ष्य मिले हैं। हालांकि जांच पूरी होने के बाद यह राशि घट या बढ़ सकती है। श्रीराम मंदिर के दानपात्रों की धनराशि चोरी करने का खेल शायद सामने भी नहीं आ पाता, यदि इसके सूत्रधार वे नहीं बनते, जो मंदिर प्रबंधन में दखल बढ़ाने को लेकर परेशान थे। इन्हीं लोगों ने रणनीति के तहत पहले सूचनाएं एकत्र कीं, फिर ट्रस्ट के एक पदाधिकारी को जानकारी देकर आरोपित को रंगे हाथ पकड़वाया। इसे छिपाने का प्रयास हुआ तो जानकारी लीक कर दी गई। सूत्र बताते हैं कि ट्रस्ट के एक पदाधिकारी के ड्राइवर रहे रामशंकर यादव 'टिन्नू' का बहुत कम समय में इतना हस्तक्षेप बढ़ गया कि वह न केवल राम मंदिर का प्रबंधन देखने लगा, बल्कि परिसर के अन्य आयोजनों व कार्यों का भी दायित्व संभालने लगा।पता चला कि यह गड़बड़ी लंबे समय से चल रही है। इस प्रकरण से उक्त ट्रस्ट पदाधिकारी को सूचित कर रंगे हाथ पकड़वाने के बारे में सोचा गया। पांच जून को दोपहर में अचानक ट्रस्ट पदाधिकारी रामजन्मभूमि के यात्री सुविधा केंद्र (पीएफसी) पहुंच गए। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने तुरंत सुरक्षाकर्मी को बुला कर निकलते समय एक गणना कर्मी की तलाशी करा दी, तो कुछ धन बरामद हो गया। उससे पीएफसी के कमरे में ले जाकर गहन पूछताछ हुई तो दूसरे लोगों के नाम भी सामने आ गए। बता दें कि इस सनसनीखेज मामले के खुलासे के बाद से ट्रस्ट गोपनीय जांच में जुटा है। लेकिन पदाधिकारी लगातार चुप्पी साधे हैं। आधिकारिक तौर पर पुलिस को भी शामिल नहीं किया गया है। लेकिन करोड़ों का गबन की रिकवरी की जद्दोजहद में सभी जुटे हैं।

अब महाराष्ट्र में अटक गया दक्षिण-पश्चिम मानसून, 5 से 6 दिन बाद आगे बढ़ेगा

मुंबई,(आरएनएस)। इस साल मानसून बार-बार अपनी रफ्तार खोता दिख रहा है। पिछले दिनों 4 जून को केरलम पहुंचने के बाद यह अटक गया था, अब महाराष्ट्र में यह आगे नहीं बढ़ रहा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून दक्षिण कोंकण और दक्षिण मध्य महाराष्ट्र में आगे बढ़ गया था, लेकिन अब बाकी हिस्सों में बढ़ने की प्रक्रिया कुछ दिन से रुकी हुई है। विभाग ने बताया कि यह अगले 5 से 6 दिन में बढ़ेगी।

आईएमडी ने बयान में कहा, यह देरी बड़े पैमाने पर मौसम की अनुकूल स्थितियों के न होने के कारण हुई है। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 8 जून को दक्षिण कोंकण और दक्षिण मध्य महाराष्ट्र के आस-पास के इलाकों में आगे बढ़ा। महाराष्ट्र के बाकी हिस्सों में इसके आगे बढ़ने की प्रक्रिया पिछले कुछ दिनों से रुकी हुई है। अब बारिश 24-25 जून के आस-पास कोंकण क्षेत्र में बढ़ने की संभावना है। मौसम की स्थितियों पर लगातार नज़र रखी जा रही है।

आईएमडी के मुताबिक, वर्तमान मानसून प्रवाह में अरब सागर से आने वाली तीव्र ऊर्जा की कमी दिख रही है, जो नमी बढ़ाकर वर्षा कराने और मानसून की प्रगति में सहायक होती है। अरब सागर के ऊपर मानसून परिसंचरण से जुड़ी निम्न स्तरीय दक्षिण-पश्चिमी हवाएं कमजोर हो गई हैं, जिससे महाराष्ट्र तट और आंतरिक क्षेत्रों की ओर नमी प्रसार कम हो गया है। पश्चिमी हिंद महासागर और अरब सागर के ऊपर भूमध्य-रेखा के पार बहने वाली हवा भी कमजोर हुई है।

मानसून की प्रगति में रुकावट का असर मुंबई में भी दिखेगा। यहां मानसून के आगमन की तारीख को 2 सप्ताह आगे कर दिया गया है। पहले यह 11 जून निर्धारित था। निजी मौसम पूर्वानुमानकर्ता स्काईमेट ने संकेत दिया है कि यदि वर्तमान वायुमंडलीय स्थितियां बनी रहती हैं तो देरी और भी बढ़ सकती है। बात दें कि मुंबई में 2019 और 2023 में भी मानसून ने काफी इंतजार कराया था। तब 25 जून को मानसून आया था।

हिमाचल प्रदेश के चंबा में खाई में गिरी बोलेरो, एक गांव के 7 लोगों की मौत

चंबा,(आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में गुरुवार तड़के बड़ा हादसा हो गया। यहां एक बोलेरो अनियंत्रित होकर 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी, जिससे उसके परखच्चे उड़ गए। हादसा तड़के 2:30 बजे चंबा-मसरूंड मार्ग पर छतरूंड के समीप हुआ। हादसे में बोलेरो सवार सभी 7 लोगों की मौत हो गई, जिसमें 3 महिलाएं और 4 पुरुष शामिल हैं। सभी महल गांव के बताए जा रहे हैं। घटना की खबर से पूरे गांव में मातम पसरा है।

पुलिस ने बताया कि बोलेरो (एचपी01सी2581) महल गांव के लोग काकड़ोथा गांव में एक मुंडन संस्कार में शामिल होने गए थे, जहां से गुरुवार तड़के लौट रहे थे। तभी छतरूंड के पास बोलेरो अनियंत्रित हो गई और खाई में जा गिरी। हादसे की खबर लगते ही पुलिस और बचाव दल के कर्मी पहुंच गए और राहत कार्य शुरू किया। हालांकि, किसी को बचाया नहीं जा सका। हादसे के बाद बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। मृतकों में 3 सगे भाई हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि चंबा की घुमावदार तीखी रोड पर कोई क्रैश बैरियर नहीं है। जिस जगह हादसा हुआ, वह भी ऐसा ही है। अगर बैरियर होता तो हादसा नहीं होता। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सभी शवों को खाई से निकाल लिया गया है। उनकी पहचान की जा रही है। एक दिन पहले चंबा में बनीखेत के समीप छतरी मोड़ के पास एक कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई, जिसमें 2 दोस्तों की मौत हुई थी।

ममता बनर्जी को कलकत्ता हाई कोर्ट से झटका, ऋतब्रता बनर्जी बने रहेंगे नेता प्रतिपक्ष

कोलकाता,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल की कलकत्ता हाई कोर्ट से गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी को झटका लगा है। कोर्ट ने उस फैसले पर अंतरिम रोक लगाने से मना कर दिया, जिसमें पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष रथिंद्र बोस ने टीएमसी के निष्कासित विधायक ऋतब्रता बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता दी है। कोर्ट के फैसले के बाद ऋतब्रता फिलहाल नेता प्रतिपक्ष बने रहेंगे। मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी।

ममता के सहयोगी और टीएमसी के वरिष्ठ नेता शोभनदेब चट्टोपाध्याय की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति कृष्णा राव ने कहा कि उन्हें याचिकाकर्ता के पक्ष में कोई प्रथम दृष्टया मामला नहीं मिलता, इसलिए अंतरिम आदेश अस्वीकार किया जाता है। कोर्ट ने दोनों पक्षों को 3 सप्ताह के भीतर याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब राज्य विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद टीएमसी आंतरिक विभाजन से जूझ रही है।

पूर्व, पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत में भारी बारिश का आईएमडी का पूर्वानुमान

नई दिल्ली(आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी में हल्की बारिश से जितनी राहत न मिली उससे अधिक उमस और गर्मी से लोग परेशान हुए. यहां अधिकतम तापमना 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है, जबकि न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के करीब बना हुआ है. मौसम विभाग ने यह भी अनुमान लगाया है कि दोपहर में हल्की बारिश या आंधी-तूफान आने की संभावना है।

पर्यावरणविद् राजेश पॉल ने कहा कि शुरुआती सीजन में बहुत तेजी से आगे बढ़ने के बाद मॉनसून कुछ समय के लिए ठहर गया है. दिल्ली एनसीआर में 27 जून को मॉनसून आने की नॉर्मल तारीख को लेकर संशय है. हालांकि अभी भी बहुत देर से आने का ऐलान करना जल्दबाजी होगी।

आने वाले हफ्ते में बंगाल की खाड़ी का अगला लो-प्रेशर सिस्टम क्या बनेगा, यह काफी हद तक तय करेगा कि दिल्ली में मॉनसून समय पर आएगा या जुलाई की शुरुआत में आएगा. पॉल ने कहा कि उत्तर भारत के लिए अभी सबसे बड़ी चिंता मानसून के शुरू होने की तारीख नहीं है, बल्कि तब तक गर्मी और नमी का बना रहना है जब तक कि मानसून में सक्रिय न हो जाए। कुछ इलाकों में रुक-रुक कर बारिश होने के बावजूद गर्मी और उमस बनी हुई है. लोगों को गर्मी और उमस से कोई राहत नहीं मिली है. बिहार, ओडिशा, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में उमस बनी रहने की उम्मीद है, और यह अगले तीन से चार दिनों तक रहेगी, जिससे लोगों के लिए मौसम खराब हो सकता है। मौसम विभाग ने एक सप्ताह तक जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में व्यापक वर्षा का अनुमान लगाया है. पश्चिमी राजस्थान, पंजाब और

हरियाणा के कई हिस्सों में अगले दो दिनों में गरज के साथ बारिश और तेज हवा चलेगी।

आईएमडी के अनुसार 17 से 22 जून के बीच बिहार, झारखंड और ओडिशा में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है. सब-हिमालयी पश्चिम बंगाल, बिहार और सिक्किम में मौसम में बड़े बदलाव की स्थिति देखने को मिल सकती है. इसमें भारी बारिश के साथ गरज और तेज हवा चलने का अनुमान है. 24 जून तक इन इलाकों में हवा की रफ्तार 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंच सकती है।

जंतर-मंतर पर फिर से प्रदर्शन की तैयारी में कॉकरोच जनता पार्टी, दिल्ली पुलिस से मांगी परमिशन

नई दिल्ली, (आरएनएस)। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा न होने से नाराज कॉकरोच जनता पार्टी 20 जून को फिर से जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने की तैयारी में है. इसके लिए दिल्ली पुलिस से परमिशन मांगी गई है. बता दें कि नीट पेपर लीक के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 6 जून को जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया था।

इस प्रदर्शन के दौरान सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने घोषणा की थी कि जब तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देंगे तब तक हमारा विरोध प्रदर्शन अलग अलग राज्यों में जारी रहेगा. हम दिल्ली के जंतर मंतर पर भी दोबारा धरना प्रदर्शन करेंगे. अब उसी घोषणा को देखते हुए कॉकरोच जनता पार्टी फिर से जंतर मंतर पर प्रदर्शन के लिए दिल्ली पुलिस से परमिशन मांग रही है. बता दें कि 6 जून को हुए धरना प्रदर्शन में शामिल होने लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुंग भी पहुंचे थे.इस दौरान सोनम वांगचुंग ने मंच से प्रदर्शन में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए कहा था कि मैं सद्भावना और शांति का संदेश लेकर आया हूं. आप सब लोगों ने शांति पूर्वक प्रदर्शन का यह तरीका चुना है इसके लिए आप बधाई के पात्र हैं. शिकायत का यह मुद्दा आपने चुना है. यह प्रदर्शन नहीं आग्रह करने आये हैं. आगे भी हमें उम्मीद है सरकार सकारात्मक काम करेगी. इस्तीफे की बात हो रही है. लेकिन जिम्मेदारी की बात हो. सरकार के निर्णय से हम खुश हैं क्योंकि लोग कहते थे ऐसा होने नहीं देंगे. एजुकेशन का सवाल उठाया है तो क्यों न उठाएं. हमें उम्मीद है कि सरकार सही कदम उठाएगी।

प्रधानमंत्री पीएम-वीबीआरवाई के तहत 2,400 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित करेंगे

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दिल्ली में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के तहत लगभग 2,400 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित करेंगे.यह जानकारी केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय ने दी. बयान में कहा गया कि यह वितरण प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के क्रियान्वयन में एक अहम पड़ाव है.यह योजना केंद्र सरकार की प्रमुख रोजगार-आधारित प्रोत्साहन योजना है. इसका मकसद रोजगार सृजन में तेजी लाने के अलावा रोजगार के औपचारिकीकरण को बढ़ावा देना, रोजगार पात्रता बढ़ाना और विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार करना है.इतना ही नहीं योजना के तहत अब तक देशभर में 15 लाख रोजगार के अवसर सृजित किए जा चुके हैं. पीएम-वीबीआरवाई का उद्देश्य पहली बार नौकरी पाने वाले युवाओं तथा नए रोजगार सृजित करने वाले नियोक्ताओं को वित्तीय प्रोत्साहन देकर औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देना है.योजना के तहत पहली बार नौकरी पाने वाले कर्मचारियों को 15,000 रुपये तक की प्रोत्साहन राशि दी जाती है. साथ ही अतिरिक्त रोजगार मुहैया कराने वाले नियोक्ताओं को प्रत्येक अतिरिक्त कर्मचारी के लिए प्रति माह 3,000 रुपये तक का प्रोत्साहन मिलता है.बयान में कहा गया है कि आर्थिक वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र की अहम भूमिका को देखते हुए इस क्षेत्र के नियोक्ताओं को चार वर्ष तक प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, जबकि अन्य क्षेत्रों के नियोक्ता दो वर्ष तक इस लाभ का फायदा उठा सकेंगे।

अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में हज 2026 के आयोजन की समीक्षा करने और हज 2027 के लिए रोडमैप पर चर्चा करने के लिए आयोजित हज समीक्षा बैठक में हिस्सा लिया।

शिवसेना (यूबीटी) की बैठक में सिर्फ तीन सांसद पहुंचे, राउत बोले- जो नहीं आएंगे वे बेईमान-गद्दार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। महाराष्ट्र की राजनीति भी इन दिनों काफी गर्मा गई है. जानकारी के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) ने

आज गुरुवार को पुराने संसद भवन में पार्टी सांसदों की एक बैठक बुलाई थी, जिसमें सिर्फ तीन सांसद ही पहुंचे. बाकी के 6 सांसद गायब रहे. यह बैठक 11 बजे बुलाई गई थी।

बागी सांसदों ने पार्टी की इस मीटिंग से दूरी बनाई. वहीं, बैठक में शामिल होने वाले सांसदों में राज्यसभा सदस्य संजय राउत के अलावा लोकसभा सांसद अरविंद सावंत और अनिल देसाई और राजाभाऊ वाजे शामिल हैं. बैठक के बीच संजय राउत ने कहा कि जो सांसद बैठक में शामिल होंगे वे हमारे हैं और जो शामिल नहीं हुए हैं वे बेईमान और गद्दार हैं. शिवसेना (यूबीटी) ने अपने सभी सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया था, जिसमें उन्हें दिल्ली में पार्टी के पार्लियामेंट ऑफिस में एक जरूरी मीटिंग में शामिल होने का निर्देश दिया गया था. जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें भरोसा है कि पार्टी के सभी सांसद मीटिंग में आएंगे, तो अरविंद सावंत ने थम्स अप करके जवाब दिया. इस बीच, दिल्ली में पार्टी सांसद अरविंद सावंत के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में राउत ने कहा कि शिंदे की शिवसेना कब से असली शिवसेना बन गई? असली शिवसेना यहीं है. जहां ठाकरे वहां शिवसेना।

दिल्ली में जन कल्याण शिविरों का आयोजन शुरू, सीएम रेखा ने किया शुभारंभ

-42 स्थानों पर मिलेंगी 21 योजनाओं की सुविधाएं

नई दिल्ली, (आरएनएस)। केंद्र और दिल्ली सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से राजधानी दिल्ली में जन कल्याण शिविरों का आयोजन शुरू किया गया. इसी क्रम में संदेश विहार स्थित एमसीडी कम्युनिटी हॉल में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जन कल्याण शिविर का शुभारंभ किया. यह विशेष अभियान 18 से 20 जून तक दिल्ली के 42 विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है. शिविरों में केंद्र एवं दिल्ली सरकार की विभिन्न योजनाओं से संबंधित जानकारी, पंजीकरण और आवश्यक सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े. कार्यक्रम में उपस्थित दिल्ली की डिप्टी मेयर मोनिका पंत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्षों के सफल कार्यकाल की उपलब्धियों और जनहितकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के लिए भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है.मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आपके द्वारअभियान के तहत दिल्ली के 42 स्थानों पर लगाए गए इन विशेष शिविरों में 21 प्रमुख योजनाओं का सीधा लाभ आम जनता को मिलेगा. उन्होंने बताया कि शिविरों में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना, विधवा एवं वृद्धावस्था पेंशन योजना, लखपति दीदी योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ से जुड़ी जानकारी, एमसीडी हाउस टैक्स संबंधी सेवाएं, दिल्ली जल बोर्ड की सुविधाएं, बीएसईएस की सोलर ऊर्जा योजना, एचआईवी जागरुकता अभियान सहित अनेक जनहितकारी योजनाओं की जानकारी और सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं. आयोजकों ने सभी दिल्लीवासियों से अपील की है कि वे अपने निकटतम जन कल्याण शिविर में पहुंचकर इन योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और पात्रता के अनुसार उनका लाभ उठाएं. उनका कहना है कि यह पहल सरकार की सेवाओं को सीधे जनता तक पहुंचाने और अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जलभराव होने पर सीधे जवाबदेह होंगे नोडल अधिकारी, लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं : CM रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को दिल्ली सचिवालय में एपेक्स कमेटी की उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी मॉनसून और संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा की गई तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री का कहना है कि दिल्ली सरकार का उद्देश्य केवल आपदा के समय प्रतिक्रिया देना नहीं, बल्कि संभावित संकटों को पहले से पहचानकर प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि मॉनसून के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और प्रत्येक संवेदनशील क्षेत्र की लगातार निगरानी की जाए। बैठक में उत्तर पूर्वी दिल्ली से सांसद मनोज तिवारी, दक्षिण दिल्ली से सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, उत्तर पश्चिमी दिल्ली से सांसद योगेन्द्र चंदोलिया, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, स. मनजिंदर सिंह सिरसा, रविन्द्र इन्द्राज सिंह, आर. के. पुरम से विधायक अनिल शर्मा, रोहतास नगर से विधायक जितेंद्र महाजन, ग्रेटर कैलाश से विधायक शिखा रॉय सहित सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, पीडब्ल्यूडी, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली जल बोर्ड और अन्य संबंधित एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मानवता को शांति, आत्मसंयम, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं भगवान महावीर के विचार : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

अहिंसा, करुणा, सत्य और आत्मसंयम के संदेश की आज पूरे विश्व को आवश्यकता : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर (ए)। लोकसभा अध्यक्षओम बिरला एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित आचार्य पदारोहण एवं सहस्त्रावधान तपस्या महोत्सव में शामिल हुए। दोनों अतिथियों ने जैन मुनियों का आशीर्वाद प्राप्त कर आचार्य पद पर प्रतिष्ठित हो रहे पूज्य विनयकुशल मुनि जी महाराज को नमन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आचार्य पद केवल एक पद नहीं, बल्कि तप, त्याग, ज्ञान और समाज को दिशा देने वाली साधना का सर्वोच्च प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर और जैन दर्शन के सिद्धांत आज भी मानवता को शांति, आत्मसंयम, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं। वर्तमान समय में जब विश्व तनाव और संघर्षों से जूझ रहा है, तब जैन दर्शन की शिक्षाएं और अधिक प्रासंगिक हो गई हैं। श्री बिरला ने कहा कि पूज्य विनयकुशल मुनि महाराज का आचार्य पदारोहण संपूर्ण जैन समाज के लिए गौरव का क्षण है। वहीं शतावधानी हंसभद्र मुनि महाराज ने अपनी विलक्षण स्मरणशक्ति, ज्ञान और साधना के बल पर देशभर में विशेष पहचान बनाई है। उनके तप और साधना से समाज को नई दिशा मिल रही है। उन्होंने कहा कि भौतिक संसाधन केवल सुविधाएं प्रदान कर सकते हैं, लेकिन जीवन का वास्तविक

सुख आत्मनियंत्रण, आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक साधना से प्राप्त होता है। जैन संतों का तपस्वी जीवन समाज को प्रेरणा देता है और मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने सभी जैन संतों, साध्वियों और श्रद्धालुओं को नमन करते हुए महोत्सव के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर पहली बार आयोजित हो रहा यह आचार्य पदारोहण महोत्सव प्रदेश के लिए गौरव और सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा, साधना और संस्कृति का यह विराट आयोजन पूरे प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक अवसर बन गया है। मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न राज्यों से आए संत-साध्वियों, श्रद्धालुओं एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज छत्तीसगढ़ धन्य हुआ है और इस आयोजन से पूरे प्रदेश में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूज्य विनयकुशल मुनि महाराज का आचार्य पद पर पदारोहण उनके ज्ञान, तप, संयम, साधना और समाज के प्रति समर्पित जीवन का सम्मान है। उन्होंने 14 वर्षीय बाल मुनि शतावधानी हंसभद्रमुनि महाराज को भी नमन करते हुए कहा कि इतनी कम आयु में उनकी अद्भुत स्मरणशक्ति, एकाग्रता और ज्ञान-साधना सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। एक साथ हजार प्रश्नों को स्मरण रखना और उनका क्रमवार उत्तर देना असाधारण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज रायपुर का यह इंडोर स्टेडियम ज्ञान, साधना और अध्यात्म का तीर्थस्थल प्रतीत हो रहा है। जैन संतों ने सदैव अहिंसा, करुणा, सत्य और आत्मसंयम का संदेश दिया है, जिसकी आज पूरे विश्व को आवश्यकता है। भगवान महावीर स्वामी का 'जियो और जीने दो' का संदेश वर्तमान समय में और अधिक प्रासंगिक हो गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक परंपराओं की भूमि है तथा राज्य सरकार सर्वधर्म समभाव की भावना के साथ सभी वर्गों के कल्याण और प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि जैन मुनिगण कठिन तप, उपवास और संयम के माध्यम से समाज को प्रेरणा देते हैं।

रांची में आरएसएस कार्यालय पर हमला: पुलिस ने चार लोगों को लिया हिरासत में, जांच तेज

रांची(आरएनएस)। रांची के निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रांतीय कार्यालय पर पेट्रोल बम से हमले के मामले में पुलिस ने जांच तेज करते हुए अब तक चार लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें घटना में प्रयुक्त वाहन का चालक और दो हमलावर भी शामिल हैं। पुलिस उनसे पूछताछ कर घटना के पीछे की साजिश के पहलुओं की पड़ताल कर रही है। यह हमला मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात हुआ था। यह घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई थी। हमलावर एक किराए की कार से आए थे। पुलिस ने सबसे पहले कार चालक को हिरासत में लिया। इसके बाद ट्रेन से दिल्ली भाग रहे दो हमलावरों को बिहार के एक स्टेशन पर ट्रैप किया गया। झारखंड की डीजीपी तदाशा मिश्रा के निर्देश पर घटना की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है, जिसने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सूचनाओं के आधार पर शहर के अलग-अलग इलाकों में छापेमारी की है। इस बीच बुधवार को एनआईए की टीम ने भी मौके का मुआयना किया था। सूत्रों का कहना है कि प्रारंभिक पूछताछ में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां पुलिस को मिली हैं, जिसके आधार पर जांच का दायरा बढ़ाया गया है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि घटना में शामिल लोगों की भूमिका क्या थी और इसके पीछे कोई संगठित योजना या अन्य कारण तो नहीं थे। सीसीटीवी फुटेज में दो युवक आरएसएस कार्यालय परिसर को निशाना बनाते हुए पेट्रोल बम फेंकते हुए दिखे थे। एक पेट्रोल बम परिसर के निकट फटा था, जबकि दूसरा निष्क्रिय हो गया।

ट्रंप ने ईरानी मीनाब स्कूल में 168 छात्राओं की मौत पर कहा-जानबूझकर नहीं किया हमला

एवियन (आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांस में कहा कि फरवरी में ईरान के मीनाब में छात्राओं के जिस स्कूल पर मिसाइल हमला हुआ था, वह किसी ने भी जानबूझकर नहीं किया था। उन्होंने एवियन-लेस-बैंस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि गलतियां होती हैं और इस मामले की जांच की जा रही है। बता दें कि ट्रंप ने शुरू में इस हमले के लिए ईरान को ही दोषी ठहराया था।

सम्मेलन के दौरान एक पत्रकार ने ट्रंप से पूछा कि क्या मीनाब हमले के लिए किसी को जवाबदेह ठहराया जाएगा। इस पर ट्रंप ने सवाल की अजीब बताकर आलोचना और कहा, इस समय यह सवाल पूछना बहुत अजीब है, क्योंकि आप बहुत पुराने समय की बात कर रहे हैं। किसी ने भी जानबूझकर ऐसा नहीं किया था। गलतियां होती हैं, युद्ध भयावह होता है...मैं यह सवाल पीट हेगसेथ (रक्षा सचिव) से पूछूंगा, क्योंकि वे इसकी जांच कर रहे हैं।

अमेरिका-इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू किया था। उसी दिन मीनाब स्थित शजारेह तैय्येबेह प्राथमिक विद्यालय पर बैलिस्टिक मिसाइल गिरी, जिसमें 168 छात्राएं और कुछ शिक्षकों की मौत हो गई। मृतक छात्राओं में अधिकतर की उम्र 6-13 साल थी।

जी-7 में जेलेंस्की के किस से मेलोनी हुई असहज ?

- वायरल वीडियो से गरमाई सोशल मीडिया पर बहस

एवियन (ए.)। फ्रांस के एवियन लेस बेंस शहर में चल रहे जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदोमिर जेलेंस्की और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की मुलाकात का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में मेलोनी कुछ पल के लिए असहज होती हुई दिखाई दे रही हैं, जिसके बाद सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा है कि जेलेंस्की ने उनके होठों को चूमने की कोशिश की, जिससे मेलोनी असहज हो गईं। यह घटना कूटनीतिक गलियारों में सामान्य माने जाने वाले अभिवादन के तरीकों से अलग हटकर बहस का विषय बन गई है।जी-7 समूह दुनिया की सात सबसे विकसित अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाता है, जिसमें कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देश शामिल हैं। यूरोपीय संघ भी इस समूह का एक महत्वपूर्ण सदस्य है। ऐसे उच्च-स्तरीय मंचों पर नेताओं के बीच मुलाकातें और अभिवादन आम बात हैं, लेकिन इस विशेष वीडियो ने ध्यान आकर्षित किया है क्योंकि यह दोनों देशों के बीच हालिया राजनीतिक असहमतियों के चरम से देखा जा रहा है। सोशल मीडिया उपयोगकर्ता वीडियो को जमकर शेयर कर रहे हैं और उसके पीछे के छिपे हुए अर्थों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं।

मास्को की ऑयल रिफाइनरी पर यूक्रेनी हमले के बाद उठा धुआं और आग की लपटें

- जेलेंस्की ने कहा- यह हमला कीव पर हाल ही में रूस के हमलों का सही जवाब

मास्को, (ए.)। रूस की एक ऑयल रिफाइनरी को यूक्रेन ने इस हफ्ते दूसरी बार निशाना बनाए जाने के बाद

वहां से काला धुआं और आग की लपटें उठने लगीं हैं। सोशल मीडिया पर हमले के वीडियो वायरल होने के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यह हमला कीव पर हाल ही में रूस के किए हमलों का माकूल जवाब था। जेलेंस्की ने एक्स पर कहा कि यह हमारे शहरों और समुदायों पर रूस के हमलों का सही जवाब है और रूस की युद्ध मशीन को चलाने वाली सुविधाओं के खिलाफ हमारे योद्धाओं की कार्रवाई का एक और अहम नतीजा।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मॉस्को ऑयल रिफाइनरी पर हुआ हमला रूस की युद्ध क्षमता और अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका है। क्रेमलिन से सिर्फ 15 किलोमीटर दूर स्थित यह रिफाइनरी रूसी राजधानी के ईंधन इंफ्रास्ट्रक्चर का एक अहम हिस्सा है। यह मॉस्को मेट्रोपॉलिटन इलाके की पेट्रोल की जरूरतों का करीब 40फीसदी और डीजल का 50फीसदी हिस्सा सप्लाई करती है, साथ ही सैन्य इस्तेमाल के लिए एविएशन फ्यूल भी देती है। 16 जून को यूक्रेनी ड्रोनों ने कपोटन्या में मॉस्को ऑयल रिफाइनरी पर हमला किया था।

इंस्टाग्राम-फेसबुक और टिकटॉक ने ले ली 12 साल की मासूम की जान, माता-पिता ने कंपनियों पर ठोका मुकदमा

रोम (ए.)। इटली से एक बेहद दर्दनाक और रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां महज 12 साल की एक मासूम बच्ची रोसेला रोजेरो उगुएस की जिंदगी सोशल मीडिया के खतरनाक एल्गोरिदम की भेंट चढ़ गई। रोसेला की मां आइरीन ने इस खौफनाक सच का खुलासा करते हुए बताया कि बेटी के व्यवहार में अचानक बड़े बदलाव आने लगे थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

उनकी बेटी को लगातार खुद को नुकसान पहुंचाने वाले (सेल्फ-हार्म) कंटेंट दिखा रहा था, जिसके डिप्रेशन में आकर रोसेला ने आत्महत्या कर ली। इस घटना ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ दी है। रोसेला की मौत के बाद जब उसके माता-पिता ने उसका मोबाइल और लैपटॉप चेक किया, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। बच्ची उनकी सोच से कहीं ज्यादा समय सोशल मीडिया पर बिता रही थी। जांच में पता चला कि उसने इंस्टाग्राम पर 'Just a dead pers®n' (जिसमें अंग्रेजी अक्षर 'o' की जगह '0' यानी जीरो का इस्तेमाल था) नाम से एक फेक अकाउंट बनाया हुआ था। उत्तरी इटली के एस्टी शहर में रॉयटर्स से बात करते हुए आइरीन ने बताया कि सितंबर 2023 में डिप्रेशन से जुड़े कंटेंट देखने के महज पांच महीने बाद ही उनकी खुशमिजाज और मिलनसार बेटी ने खौफनाक कदम उठा लिया। यह उनके लिए किसी अचानक आई विनाशकारी बीमारी जैसा था, जिसने सब कुछ तबाह कर दिया।इस दुखद घटना के बाद रोसेला के माता-पिता ने इटली में पहली बार इंस्टाग्राम-फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा (Meta) और टिकटॉक (TikTok) के खिलाफ सामूहिक मुकदमा दायर किया है। कई अन्य पीड़ित परिवार भी उनके साथ इस कानूनी लड़ाई में शामिल हो गए हैं।

इस्लामाबाद मेमोरैंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर अमेरिका-ईरानी राष्ट्रपतियों ने किए हस्ताक्षर

इस्लामाबाद, (ए.)। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच इस्लामाबाद मेमोरैंडम ऑफ

अंडरस्टैंडिंग पर दोनों पक्षों ने इलेक्ट्रॉनिक रूप से हस्ताक्षर किए हैं और तत्काल प्रभाव से ये लागू हो गए हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा इस मेमोरैंडम पर दोनों देशों के सम्मानित राष्ट्रपतियों ने हस्ताक्षर किए और मध्यस्थ के तौर पर मैंने (शहबाज) ने भी इसे मंजूरी दी है। संबंधित सरकारों के शीर्ष स्तर पर इस समझौते पर हस्ताक्षर यह दिखाते हैं कि दोनों पक्ष विवाद के कूटनीतिक समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने कहा कि समझौता तुरंत लागू होगा और पहले कदम के तौर पर इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान तुरंत होर्मुज को फिर से खोल देगा और अमेरिका तुरंत नौसैनिक नाकेबंदी हटा लेगा। बता दें फ्रांस में जी7 शिखर सम्मेलन के बाद वर्साय के महल में कैंडललाइट डिनर के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मेमोरैंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए जबकि मेजबान फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अन्य मेहमानों ने तालियां बजाई।

ई-पासपोर्ट खरीद प्रक्रिया में नेपाल की पूर्व विदेश मंत्री आरजू देउवा भी जांच के दायरे में

काठमांडू, (आरएनएस)। नेपाल के एंटी करप्शन ब्यूरो ने पिछले वर्ष की ई-पासपोर्ट खरीद प्रक्रिया में तत्कालीन विदेश मंत्री डॉ. आरजू देउवा को भी जांच के दायरे में लिया है।जांच अधिकारियों की टीम गुरुवार को बूढ़ानीलकण्ठ स्थित देउवा निवास के खंडहरनुमा परिसर में पहुंची और 'बयान के लिए उपस्थित हों' संबंधी नोटिस चस्पा किया। कानूनी प्रक्रिया के अनुसार यदि बयान के लिए बुलाया गया व्यक्ति संपर्क में नहीं आता, तो उसके स्थायी पते पर नोटिस तामील करना अनिवार्य होता है।बूढ़ानीलकण्ठ नगरपालिका-2 के वडाध्यक्ष राजेंद्र श्रेष्ठ ने बताया कि ब्यूरो की टीम को देउवा निवास परिसर में परिवार का कोई सदस्य नहीं मिला।

बंगाल की खाड़ी में पनडुब्बी उतारेगा पाकिस्तान, 1971 की हार के बाद पहली बार तैनाती

इस्लामाबाद, (आरएनएस)। पाकिस्तान एक बार फिर भारत के खिलाफ साजिश रच रहा है। वर्ष 1971 की करारी हार के बाद वह बंगाल की खाड़ी में नई हैंगोर पनडुब्बी तैनात करने जा रहा है।सूत्रों ने पाकिस्तान नौसेना के कमोडोर उमर फारूक के हवाले से बताया कि हाल ही में प्राप्त डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी पीएनएस हैंगोर को खाड़ी में तैनात करने की योजना है। फारूक ने बताया कि हैंगोर और उसकी 7 इकाईयों को शामिल करने से पाकिस्तान खाड़ी में अपनी उपस्थिति बनाएगा। फारूक ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में भारत के साथ 1971 के युद्ध की समाप्ति के बाद से पाकिस्तानी नौसेना की गतिविधि नगण्य रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की पहली हैंगर-श्रेणी की पनडुब्बी को अप्रैल में चीन में कमीशन किया गया था। वह पिछले सप्ताह कराची पहुंची है। वर्तमान में, भारत इकलौता देश है, जिसकी बंगाल

की खाड़ी में महत्वपूर्ण नौसैनिक उपस्थिति है। यह क्षेत्र, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, भारत की पूर्वी नौसेना कमान के अंतर्गत है। वर्ष 1971 में भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तानी सेना को हराए जाने के बाद से, पाकिस्तानी नौसेना की उपस्थिति काफी हद तक उत्तरी अरब सागर तक ही सीमित रह गई थी। हालांकि, 1971 में 9 दिसंबर को पाकिस्तान की पीएनएस हैंगोर ने भारतीय युद्धपोत आईएनएस खुखरी को डुबो दिया था, जिसमें कुछ नौसैनिक शहीद हुए थे। युद्धपोत डूबने से कोई फर्क नहीं पड़ा और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान को कुचल दिया। उसके बंदरगाह और जहाज बर्बाद किए थे।पाकिस्तान और चीन के बीच रक्षा सहयोग के 'पीएनएसएम हैंगोर' को विकसित किया गया है। यह उन्नत युद्ध प्रणाली, आधुनिक सेंसर, एयर-इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन तकनीक और बेहतर स्टील्थ खासियत से लैस है। पनडुब्बी पाकिस्तानी नौसेना की रक्षा परियोजना का हिस्सा है। इसके तहत पाकिस्तानी नौसेना में कुल 8 पनडुब्बियां शामिल होंगी। ये पनडुब्बियां समुद्री मार्गों पर नजर रखेंगी, दुश्मन के युद्धपोत-पनडुब्बियों की खोज करेंगी और खुफिया जानकारी जुटाएंगी। हैंगोर वजनी टॉरपीडो और जहाज-रोधी क्रूज मिसाइल उपयोग कर सकती है।

फीचर

ऑनलाइन हैंडबैग खरीदने जा रही हैं? इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

हैंडबैग एक ऐसा फैशन का सामान है, जो न केवल महिलाओं की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करता है, बल्कि उनके लुक को भी खास बनाता है। जब आप ऑनलाइन हैंडबैग खरीदने जा रही हैं तो कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि आपका चयन सही हो और आपको संतुष्टि मिले। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे जरूरी सुझाव देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप ऑनलाइन हैंडबैग का सही चयन कर सकती हैं।

सही आकार चुनें

जब आप ऑनलाइन हैंडबैग खरीदें तो सबसे पहले उसके आकार पर ध्यान दें। यह तय करें कि आपको छोटे, मध्यम या बड़े आकार का बैग चाहिए। छोटे आकार के बैग रोजमर्रा के उपयोग के लिए बेहतर होते हैं, जबकि बड़े आकार के बैग यात्रा या शॉपिंग के लिए उपयुक्त होते हैं। मध्यम आकार के बैग्स ऑफिस या कॉलेज जाने के लिए अच्छे होते हैं। इस तरह आप अपनी जरूरत के हिसाब से सही आकार चुन सकती हैं।

सामग्री का चयन करें

हैंडबैग की सामग्री भी बहुत अहम होती है। चमड़ा, कैनवास, नायलॉन आदि अलग-अलग सामग्रियों में उपलब्ध होते हैं। चमड़े के बैग्स लंबे समय तक चलते हैं और स्टाइलिश दिखते हैं, लेकिन इनकी देखभाल ज्यादा करनी पड़ती है। कैनवास बैग्स हल्के होते हैं और आसानी से साफ किए जा सकते हैं, जबकि नायलॉन पानी से बचाने वाले होते हैं और बारिश में भी सुरक्षित रहते हैं। अपनी जरूरतों और पसंद के अनुसार सही सामग्री का चयन करें।

रंगों का मेल देखें

आपका हैंडबैग आपके कपड़ों के साथ मेल खाना चाहिए ताकि आपका लुक पूरा लगे। अगर आप रोजमर्रा की पोशाक पहनती हैं तो काले, भूरे या बेज रंग के बैग्स अच्छे रहते हैं क्योंकि ये लगभग सभी रंगों के साथ जाते हैं, वहीं अगर आप पार्टी के लिए तैयार होती हैं तो चमकीले रंग जैसे लाल, नीला या हरा रंग का बैग चुन सकती हैं जो आपके लुक को और भी खास बनाएंगे।

स्टाइल पर ध्यान दें

स्टाइल भी बहुत जरूरी होता है जब बात फैशन की आती है। फ्लैप बंद, जिपर बंद या मैग्नेटिक बंद जैसे अलग-अलग स्टाइल उपलब्ध होते हैं। फ्लैप बंद बैग्स क्लासिक लुक देते हैं जबकि जिपर बंद बैग्स आधुनिक दिखते हैं। मैग्नेटिक बंद बैग्स जल्दी खोलने बंद करने में आसान होते हैं। अपने स्टाइल और सुविधा के अनुसार सही बंद स्टाइल चुनें ताकि आपका हैंड बैग न केवल उपयोगी हो बल्कि आपकी व्यक्तिगत शैली को भी दर्शाए।

ग्राहक समीक्षा पढ़ें

ऑनलाइन खरीदारी करते समय ग्राहक समीक्षा पढ़ना बहुत जरूरी है ताकि आपको उत्पाद की गुणवत्ता और प्रदर्शन का सही अंदाजा हो सके। अच्छी रेटिंग वाले उत्पादों को प्राथमिकता दें और नकारात्मक समीक्षाओं पर ध्यान दें ताकि किसी भी तरह की निराशा से बचा जा सके। इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए आप आसानी से अपने लिए सबसे अच्छा हैंड बैग चुन सकती हैं जो आपकी जरूरतों और पसंद के हिसाब से फिट बैठेगा।

ग्राम चिकित्सालय- 2 में मेरा किरदार नई जिम्मेदारियों और बड़ी चुनौतियों का सामना करेगा : आकांक्षा रंजन कपूर

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन कपूर अपने वेब शो ग्राम चिकित्सालय के दूसरे सीजन की रिलीज को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने शो के नए सीजन में अपने किरदार के सफर को लेकर खुलकर बात की। साथ ही बताया कि इस बार क्या खास है। अभिनेत्री ने बताया कि दूसरे सीजन में उनका किरदार गार्गी पहले से अधिक जिम्मेदारियों का सामना करता नजर आएगा। साथ ही, उसे कई कठिन और जटिल फैसले भी लेने पड़ेंगे, जो उसके किरदार के साथ कहानी को और भी दिलचस्प बनाएंगे। इसे बारे में बात करते हुए आकांक्षा रंजन कपूर ने कहा, डॉ. गार्गी का किरदार निभाना का सबसे संतोषजनक पहलू यह रहा कि दर्शकों ने उससे गहरा जुड़ाव महसूस किया और भरपूर प्यार दिया। पहले सीजन में गार्गी को एक ईमानदार, सरल और जमीन से जुड़ी हुई महिला के रूप में दिखाया गया था और मुझे लगता है कि दर्शकों ने उसकी इसी सच्चाई से खुद को जोड़ा। यह देखकर खुशी होती है कि लोगों का यह प्यार और अपनापन दूसरे सीजन में उसके किरदार के और बड़े सफर का हिस्सा बना है।

उन्होंने आगे कहा, दूसरे सीजन में गार्गी पहले से कहीं अधिक जिम्मेदारियों का सामना करती नजर आएगी। उसे कई जटिल फैसले लेने पड़ते हैं और ऐसी चुनौतियों से गुजरना पड़ता है, जो उसके सिद्धांतों और विश्वासों की वास्तविक परीक्षा लेती हैं। एक कलाकार के तौर पर ऐसे शो का हिस्सा बनना बेहद संतोषजनक है, जो गहराई वाली कहानियां प्रस्तुत करता है और अपने किरदारों को विकसित होने का पूरा अवसर देता है।

ग्राम चिकित्सालय' के पहले सीजन को झारखंड के भाटकांडी गांव में ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था के यथार्थवादी और संवेदनशील चित्रण के लिए काफी सराहना मिली थी। पहले सीजन में आकांक्षा रंजन कपूर ने स्थानीय डॉक्टर डॉ. गार्गी के किरदार को प्रभावशाली ढंग से निभाया।

शो की कहानी का बड़ा हिस्सा अब उनके किरदार के इर्द-गिर्द घूमता नजर आएगा, जिससे आकांक्षा रंजन कपूर की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। ग्राम चिकित्सालय का दूसरा सीजन 23 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा।

टाइगर प्रिंट ड्रेस में दिशा पाटनी ने दिए दिलकश पोज

अभिनेत्री दिशा पाटनी अपने स्टाइलिश लुक और खूबसूरती को लेकर खूब सुर्खियां बटोरती हैं। उनकी फिटनेस के फैंस कायल हैं। उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वे बोल्ड पोज देती दिख रही हैं।

दिशा पाटनी 34 वर्ष की हो गई हैं। अपने हालिया पोस्ट में उन्होंने कुछ दिलकश फोटोज शेयर किए हैं।

दिशा टाइगर प्रिंट की वेस्टर्न ड्रेस पहने दिख रही हैं। उन्होंने अलग-अलग अंदाज में स्टाइलिश पोज दिए हैं।

दिशा पाटनी ने बिल्ली के साथ भी पोज दिए हैं। उनका यह अंदाज देख कोई उन्हें शेरनी कह रहा है तो कोई उन्हें जंगली बिल्ली बता रहा है।

कुछ नेटिजंस उनके पोस्ट पर मौनी रॉय को लेकर कमेंट कर रहे हैं और लिख रहे है, तस्वीरों में मौनी रॉय भी होनी चाहिए थीं। बता दें कि दिशा और मौनी रॉय बेस्ट फ्रेंड हैं।

दिशा के करियर की बात करें तो उन्होंने शुरुआत साल 2015 में आई तेलुगु फिल्म लोफर से की थी। इसमें उन्होंने मौनी नाम की एक लड़की का रोल निभाया था।

साल 2016 में दिशा ने बॉलीवुड का रुख किया। उनकी पहली हिंदी फिल्म एम.एस. धोनी द अनटोल्ड स्टोरी थी।

ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स से परेशान? तो छुटकारा दिलाने में मदद कर सकता है चावल का यह घरेलू उपाय

आज के समय में साफ और चमकदार त्वचा हर कोई चाहता है, लेकिन धूल, मिट्टी, पसीना और बढ़ते प्रदूषण की वजह से चेहरे पर कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। इनमें ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स सबसे आम परेशानी हैं। ये छोटे-छोटे दाने अक्सर नाक, ठुड्डी और माथे के आसपास दिखाई देते हैं। इनकी वजह से चेहरा साफ दिखने के बजाय बेजान नजर आने लगता है। कई लोग इन्हें हटाने के लिए महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट खरीदते हैं, लेकिन कुछ आसान घरेलू तरीके भी त्वचा की सफाई में मदद कर सकते हैं। ऐसा ही एक तरीका चावल से तैयार किया गया स्क्रब है, जो चेहरे पर जमा गंदगी को साफ करने में सहायक माना जाता है। त्वचा के रोमछिद्रों में जब प्राकृतिक तेल (सीबम), धूल-मिट्टी और मृत कोशिकाएं जमा हो जाती हैं, तब ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की समस्या उत्पन्न होती है। जब रोमछिद्र खुले होते हैं और यह जमा गंदगी हवा के संपर्क में आती है, तो ऑक्सीकरण के कारण इसका ऊपरी हिस्सा काला पड़ जाता है, जिसे ब्लैकहेड्स कहते हैं। इसके विपरीत, जब यह गंदगी त्वचा के भीतर ही बंद रह जाती है, तो वह सफेद दाने के रूप में उभरती है, जिसे व्हाइटहेड्स कहा जाता है। इसलिए इनसे बचने के लिए चेहरे की नियमित सफाई बहुत जरूरी होती है।

चावल को त्वचा के लिए फायदेमंद माना जाता है क्योंकि इसके दाने त्वचा पर जमा गंदगी को धीरे-धीरे हटाने में मदद करते हैं। जब चावल को हल्का दरदरा पीसा जाता है, तो उसके छोटे-छोटे कण चेहरे की ऊपरी परत पर जमी मृत त्वचा को साफ करने का काम करते हैं। इससे त्वचा पहले से ज्यादा साफ और ताजा महसूस होती है।

इस स्क्रब को बनाने के लिए सबसे पहले थोड़ा चावल लेकर उसे मिक्सर में हल्का पीस लें। ध्यान रखें कि चावल पूरी तरह पाउडर न बन जाए। इसके बाद इसमें थोड़ा कच्चा दूध मिलाएं। दूध त्वचा को मुलायम रखने में मदद करता है और चेहरे पर जमी गंदगी की पकड़ ढीली करता है। फिर इसमें थोड़ा गुलाब जल मिला लें। गुलाब जल त्वचा को ठंडक और ताजगी देने के लिए जाना जाता है। इन तीनों चीजों को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें।जब यह पेस्ट तैयार हो जाए तो इसे चेहरे पर लगाएं। इसके बाद हल्के हाथों से गोल-गोल घुमाते हुए कुछ मिनट तक मसाज करें। नाक के आसपास के हिस्से पर थोड़ा ज्यादा ध्यान दें, क्योंकि ब्लैकहेड्स सबसे ज्यादा वहीं दिखाई देते हैं। चावल के छोटे कण त्वचा की ऊपरी परत पर जमी गंदगी और अतिरिक्त तेल को हटाने में मदद करते हैं।मसाज करने के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। इसके बाद मॉइस्चराइजर लगाना न भूलें। स्क्रब करने के बाद त्वचा को नमी की जरूरत होती है, इसलिए मॉइस्चराइजर लगाने से त्वचा मुलायम बनी रहती है।

एकदिवसीय प्रवास पर रायपुर पहुंचे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का एयरपोर्ट पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं मंत्री केदार कश्यप ने आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। लोकसभा अध्यक्ष अपने प्रवास के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

मानसून की रफ्तार धीमी, अभी तक बस्तर नहीं पहुंचा, राजधानी पहुंचने देरी

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में मानसून का इंतजार अब लंबा और उलझन भरा होता जा रहा है। पिछले 10 दिनों से मौसम विभाग लगातार दावा कर रहा था कि प्रदेश में अगले दो-तीन दिनों में मानसून प्रवेश कर सकता है, लेकिन सोमवार को जारी बुलेटिन ने सभी को चौंका दिया। विभाग ने मानसून आगमन की संभावित तारीख का उल्लेख ही हटा दिया।

रविवार के बुलेटिन में मानसून के अगले 4-5 दिनों में प्रदेश पहुंचने की संभावना जताई गई थी, लेकिन सोमवार को यह पूर्वानुमान गायब हो गया। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि मानसून की रफ्तार उम्मीद से धीमी है और मौसम विभाग भी इसके आगमन को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि मानसून अभी तक बस्तर संभाग नहीं पहुंचा है। ऐसे में राजधानी रायपुर समेत मध्य छत्तीसगढ़ में इसके पहुंचने में और देरी हो सकती है।प्रदेश के कई हिस्सों में प्री-मानसून बारिश और गरज-चमक का दौर जारी है, लेकिन इससे गर्मी और उमस से खास राहत नहीं मिल रही। राजधानी रायपुर में 11 जून के बाद कोई उल्लेखनीय बारिश नहीं हुई है। बीती रात कुछ इलाकों में बूंदाबांदी जरूर हुई, लेकिन गर्मी का असर बरकरार रहा।मौसम विभाग के अनुसार दो द्रोणिकाओं के प्रभाव से प्रदेश में बादल छाए रहेंगे। अगले पांच दिनों के दौरान कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में 50 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। मंगलवार को रायपुर में भी अंधड़ के साथ हल्की बारिश हो सकती है। अधिकतम तापमान 39 और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। पिछले 24 घंटों की बात

करें तो उत्तर छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि राज्य के बाकी हिस्सों में पारे में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। इस दौरान में प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश भी रिकॉर्ड की गई। तापमान के आंकड़ों के लिहाज से, बिलासपुर में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पेंड्रा रोड में सबसे कम न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।पिछले 24 घंटों में ओड़गी में 5 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई। रामानुजनगर, प्रतापपुर और कांसाबेल में 2-2 सेंटीमीटर बारिश हुई। वहीं बलरामपुर, पाली, गिधौरी, बलौदाबाजार, प्रेमनगर, करतला में 1-1 सेंटीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई।

कोरिया हत्याकांड पर मुख्यमंत्री साय का बड़ा बयानः दोषियों को किसी भी कीमत पर नहीं बख्शा जाएगा

रेत विवाद में भाजपा नेता भरत सिंह गहरवार और वीरू सिंह की मौत, पुलिस जांच जारी

रायपुर (आरएनएस)। कोरिया जिले में रेत उत्खनन को लेकर हुए विवाद में भाजपा नेता भरत सिंह गहरवार और उनके करीबी वीरू सिंह गहरवार की मौत के मामले में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मामला उनके संज्ञान में है और पुलिस इसकी गंभीरता से जांच कर रही है। घटना में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है तथा किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

रायपुर से सूरजपुर दौरे के लिए रवाना होने से पहले मीडिया से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कानून अपना काम कर रहा है और जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रेत विवाद ने लिया खूनी संघर्ष का रूप

गौरतलब है कि मंगलवार को कोरिया जिले में रेत उत्खनन को लेकर भाजपा नेताओं के बीच विवाद हुआ था, जो देर रात हिंसक संघर्ष में बदल गया। आरोप है कि विवाद के दौरान फॉर्च्यूनर वाहन पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी गई। इस घटना में भाजपा नेता भरत सिंह गहरवार की मौके पर ही जलकर मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से झुलसे उनके रिश्तेदार वीरू सिंह गहरवार ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

घटना में तीन अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका इलाज अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जारी है। बताया जा रहा है कि घायलों में से एक योगेन्द्र सिंह की हालत में सुधार है और वह बयान देने की स्थिति में है।

सूरजपुर और गरियाबंद दौरे का किया जिक्र

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि वे सूरजपुर में नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं पार्षदों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। इसके अलावा गरियाबंद जिले में लगभग 600 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया जाएगा।

चांपा-कोरबा तीसरी रेल लाइन पर जताया आभार

चांपा-कोरबा तीसरी रेल लाइन परियोजना के लिए केंद्र सरकार द्वारा राशि स्वीकृत किए जाने पर मुख्यमंत्री ने इसे छत्तीसगढ़ के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया जाता है, क्योंकि इससे प्रदेश की रेल अधोसंरचना और औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

कलेक्टर ने ली नीट परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा बैठक

रायपुर, (आरएनएस)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने नीट परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि परीक्षा संचालन के समय सभी केन्द्राध्यक्ष परीक्षा केन्द्रों में फर्नीचर, बिजली, पंखा, साफ-सफाई, पेयजल, वॉशरूम की सफाई, पार्किंग, दीवाल घड़ी की व्यवस्था, जनरेटर (डीजी सेट) की व्यवस्था, वीडियोग्राफर की व्यवस्था एवं साउंड सिस्टम की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि केन्द्राध्यक्ष प्रश्न-पत्र की सील बन्दपेटी रखने के लिए अलग से स्ट्रांग रूम की व्यवस्था करें एवं हर केन्द्र में मेडिकल टीम एवं फ्रिस्किंग टीम की बैठने की व्यवस्था करें।

उल्लेखनीय है कि जिले में 25 परीक्षा केन्द्र हैं जिसमें 9 हजार 50 विद्यार्थी उपस्थित होंगे। इस परीक्षा में 3 हजार 3 सौ 48 पुरूष, 5 हजार 6 सौ 65 महिला एवं 37 दिव्यांग विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षा का समय दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक है।

कबीरधाम । छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर जिला कांग्रेस कमेटी कबीरधाम के अध्यक्ष नवीन जायसवाल के नेतृत्व में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रेस वार्ता प्रभारी एवं डोंगरगांव विधायक दलेश्वर साहू ने भाजपा सरकार पर जनता को लूटने का आरोप लगाया।

खेल समाचार

श्रेयस अय्यर वनडे में दूसरे सबसे तेज 3,000 रन पूरे करने वाले भारतीय बने, जानिए आंकड़े

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर ने अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में 24 गेंदों में 26 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने खास उपलब्धि हासिल की। पारी का 11वां रन बनाते ही उनके वनडे करियर में 3,000 रन पूरे हो गए। सिर्फ 72 पारियों में यह कारनामा करने वाले श्रेयस संयुक्त रूप से दूसरे सबसे तेज भारतीय बल्लेबाज हैं। आइए वनडे क्रिकेट में श्रेयस के आंकड़ों पर नजर डालते हैं।

श्रेयस ने 3,000 वनडे रन पूरे करने के लिए 72 पारियां और 78 मैच खेले। उन्होंने इस मामले में पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन की बराबरी की, जिन्होंने भी 72 पारियां खेली थीं। गौरतलब है कि अय्यर और धवन केवल शुभमन गिल से पीछे हैं, जिन्होंने 62 पारियों में 3,000 वनडे रन पूरे किए थे। गिल ने मौजूदा सीरीज के पहले वनडे में यह उपलब्धि हासिल की थी। उन्होंने मैच जिताने वाली 84* रन की पारी खेली थी।

धवन की बराबरी करने के अलावा, श्रेयस ने इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो, जो रूट, दक्षिण अफ्रीका के गैरी कर्स्टन और वेस्टइंडीज के दिग्गज गॉर्डन ग्रीनज की भी बराबरी कर ली है। इन सभीने भी 72 पारियों में 3,000 वनडे रन पूरे किए थे। सूची में हाशिम अमला (57 पारी) पहले, गिल (62 पारी) दूसरे, शाई होप, फखर जमान और इमाम-उल-हक (67-67 पारी) तीसरे, बाबर आजम (68 पारी) चौथे और विव रिचर्ड्स (69पारी) 5वें नंबर पर हैं।

शफाली वर्मा ने महिला टी-20 विश्व कप में अपना पहला अर्धशतक लगाया, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली,(आरएनएस)। महिला टी-20 विश्व कप 2026 के 10वें मुकाबले में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज शफाली वर्मा ने नीदरलैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ शानदार अर्धशतकीय पारी (55) खेली। ये उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 17वां अर्धशतक रहा, जिसे उन्होंने 34 गेंदों में पूरा किया। टी-20 विश्व कप में इस खिलाड़ी ने अपना पहला ही पचासा लगाया। ऐसे में आइए उनकी पारी और आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं।

शफाली ने 38 गेंदों में 55 रन बनाए। उनके बल्ले से 10 चौके निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 144.74 की रही। पहले विकेट के लिए इस खिलाड़ी ने स्मृति मंधाना के साथ 70 गेंदों में 115 रन की साझेदारी निभाई। शफाली ने पहली गेंद से ही ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और नीदरलैंड के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। टूर्नामेंट के पहले मैच में वह कुछ खास नहीं कर पाई थी और पाकिस्तान के खिलाफ 6 रन बनाकर आउट हुई थी।

शफाली ने अपना पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 2019 में खेला था। अब तक उन्होंने 108 मैच खेले हैं और इसकी 107 पारियों में 27.83 की औसत से 2,783 रन बनाने में सफल रहीं हैं। उनके बल्ले से 17 अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 81 रन रहा है। महिला टी-20 विश्व कप में इस खिलाड़ी ने 16 मुकाबले खेले हैं और इसकी 16 पारियों में 28.20 की औसत और 127.79 की स्ट्राइक रेट से 423 रन बनाए हैं।

दीप्ति शर्मा के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि, झूलन गोस्वामी के 'ऐतिहासिक' रिकॉर्ड की बराबरी की

नई दिल्ली (आरएनएस)। महिला टी20 विश्व कप में 2026 के 10वें मुकाबले में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड्स को 95 रनों से हराया। भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इस मुकाबले में खास उपलब्धि हासिल की। दीप्ति महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में अब सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाजों की सूची में संयुक्त रूप से पहले नंबर पर पहुंच गई हैं। दीप्ति ने नीदरलैंड्स के खिलाफ एक विकेट लेने के साथ ही झूलन गोस्वामी के रिकॉर्ड की बराबरी की। दीप्ति इंटरनेशनल क्रिकेट में अब 355 विकेट अपने नाम कर चुकी हैं।झूलन के नाम भी 355 विकेट दर्ज हैं। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर इंग्लैंड की गेंदबाज कैथरीन साइवर ब्रंट मौजूद हैं, जिन्होंने कुल 335 विकेट निकाले हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज ऑलराउंडर एलिसा पेरी 332 विकेट के साथ चौथे नंबर पर काबिज हैं। इंग्लैंड की स्पिन गेंदबाज सोफी एक्लेस्टोन 327 विकेट लेकर पांचवें नंबर पर हैं। नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 209 रन लगाए। टीम की ओर से स्मृति मंधाना ने बेहतरीन

बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंदों में 74 रनों की दमदार पारी खेली। मंधाना ने अपनी इस पारी में 11 चौके और एक छक्का लगाया।वहीं, शेफाली वर्मा ने 38 गेंदों में 55 रन बनाए। शेफाली और मंधाना ने मिलकर पहले विकेट के लिए 11.4 ओवर में 115 रन जोड़े। जेमिमा रोड्रिग्स ने 13 गेंदों में 19 रनों का योगदान दिया। वहीं, ऋचा घोष ने सिर्फ 8 गेंदों का सामना करते हुए एक चौके और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 20 रन बनाए। वहीं, कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 12 रनों का योगदान दिया। दीप्ति ने 2 गेंदों में नाबाद 10 रन बनाए।210 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड्स की पूरी टीम 114 रन बनाकर सिमट गई। टीम की तरफ से बैबेट डी लीडे ने सर्वाधिक 28 रन बनाए। गेंदबाजी में भारत की ओर से श्री चरणी की घूमती गेंदों का जादू खूब चला और उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 19 रन खर्च करते हुए 4 विकेट अपने नाम किए। वहीं, शेफाली वर्मा ने 20 रन देकर 3 विकेट झटके, तो नंदिनी शर्मा भी 2 विकेट निकालने में सफल रहीं।

टीम के प्रदर्शन में कोई कमी नहीं थी', डीआर कांगो के खिलाफ ड्रॉ के बाद रोनाल्डो ने किया पुर्तगाल का बचाव

ह्यूस्टन (ए.)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में पुर्तगाल फुटबॉल टीम की शुरुआत निराशाजनक हुई है। टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में पुर्तगाल को डीआर कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालांकि, पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने टीम का बचाव किया है।रोनाल्डो ने कहा कि डीआर कांगो के खिलाफ खेले गए मुकाबले में पुर्तगाल टीम के प्रदर्शन में कोई कमी नहीं थी। रोनाल्डो खुद इस मुकाबले में कोई गोल नहीं कर सके। रोनाल्डो के तीनों शॉट गोल पोस्ट से बाहर चले गए। रोनाल्डो ने मैच के बाद पुर्तगाल के 'स्पोर्ट टीवी' से एक छोटी बातचीत में कहा, कुछ भी कमी नहीं थी, फुटबॉल ऐसा ही है। हम जीत भी सकते थे। अपने करियर के छठे वर्ल्ड कप के पहले मैच में रोनाल्डो का एक भी शॉट गोल पोस्ट में नहीं पहुंचा। यह दूसरी बार भी है जब उन्होंने वर्ल्ड कप मैच में 90 मिनट तक टारगेट पर कोई शॉट नहीं मारा। रोनाल्डो के करियर का यह 23वां वर्ल्ड कप मैच था। वह फीफा विश्व कप में सबसे ज्यादा

मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे नंबर पर आ गए हैं। रोनाल्डो पुर्तगाल की तरफ से 10 बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट (वर्ल्ड कप और यूरो कप) खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 33 शॉट खेले हैं, जिसमें से 11 शॉट टारगेट पर पहुंचे हैं।पुर्तगाल ने डीआर कांगो के खिलाफ 75 प्रतिशत से ज्यादा समय तक गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन टीम मुकाबले में दूसरा गोल करने में नाकाम रही। पुर्तगाल ने मैच में अपना पहला गोल छठे मिनट में किया। जोआओ नेवेस ने टीम के लिए पहला गोल दागा। हालांकि, फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में योआन वीसा ने डीआर कांगो की ओर से पहला गोल करते हुए स्कोर को पहले हाफ के अंत में बराबर कर दिया। इसके बाद डीआर कांगो के डिफेंस ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए पुर्तगाल को गोल करने का कोई मौका नहीं दियापुर्तगाल के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने रोनाल्डो के खराब प्रदर्शन का बचाव किया। उन्होंने कहा, जब आपको गोल की जरूरत हो, तो रोनाल्डो जैसे खिलाड़ी को बेंच पर बैठाने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि रोनाल्डो डिफेंडर्स को अपनी ओर खींचने का काम करते हैं, जिसकी वजह से बाकी खिलाड़ियों को गोल करने के लिए जरूरी जगह मिल पाती है।

फीफा वर्ल्ड कपः इंग्लैंड ने जीत के साथ की शुरुआत, दो गोल करके कप्तान हैरी केन ने रचा इतिहास

नईदिल्ली(आरएनएस)। इंग्लैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 कैंपेन की शुरुआत शानदार जीत के साथ की. उन्होंने गुरुवार (18 जून) को डलास स्टेडियम में ग्रुप एल के मैच में क्रोएशिया को 4-2 से मात दी. उतार-चढ़ाव भरे पहले हाफ में चार गोल हुए. कप्तान केन के दो गोल से इंग्लैंड दो बार आगे हुआ, जबकि क्रोएशिया ने मार्टिन बटुरिना और पेटार मूसा के गोल से बराबरी की. उसके बाद इंग्लैंड टीम ने दूसरे हाफ में शानदार खेल दिखाया और बेलिंगम व रैशफोर्ड के गोल की बदौलत जीत हासिल की।

हैरी केन ने क्रोएशिया के खिलाफ दो गोल करके इंग्लैंड के लिए रिकॉर्ड बुक में एक नया अध्याय लिखा है. केन अब वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा पेनल्टी (शूटआउट को छोड़कर) गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं. उन्होंने कुल पांच पेनल्टी गोल किए हैं. इसके अलावा केन इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा वर्ल्ड कप गोल (10) करने वाले खिलाड़ी-लिनेकर- के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली. इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी लिनेकर ने मेक्सिको 1986 में छह गोल करके एडीडास गोल्डन बूट जीता था और फिर इटली 1990 में चार गोल किए थे. वहीं केन ने 2018 के वर्ल्ड कप में छह गोल करके गोल्डन बूट जीता था।

10 मार्च से शुरू होगा आईपीएल का अगला सत्र : सैकिया

मुम्बई (ए.)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से कहा गया है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 2027 सत्र 10 मार्च में शुरु हो सकता है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि मार्च की शुरुआत में ही सत्र शुरु करने का फैसला इसलिए लिया गया है ताकि खिलाड़ियों, दर्शकों सहित सभी लोगों को तेज गरमी से बचाया जा सके। सैकिया के अनुसार देश के अधिकांश हिस्सों में मई में पड़ने वाली भीषण गर्मी से बचने के लिए लीग को अगले साल से 10 मार्च से 15 मई तक रखे जाने की योजना बनायी गयी है। सैकिया ने हालांकि साफ कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए मैचों की संख्या 74 से बढ़ाकर 94 करने का कोई इरादा नहीं है। .गौरतलब है कि आईपीएल आमतौर पर मार्च के अंतिम सप्ताह में शुरू होता है और मई के अंत तक चलता है।

अफगानिस्तान के खिलाफ दोहरा शतक नहीं लगा पाने से निराश हैं शुभमन

लखनऊ (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में शतक लागने के बाद भी खुश नहीं है। शुभमन के अनुसार उनका लक्ष्य दोहरा शतक लगाना था पर वह पूरा नहीं हो पाया। इस मैच में हालांकि भारतीय टीम को बड़ी जीत मिली। शुभमन ने इस मैच में कठिन हालातों के बीच भी 154 रनों की पारी खेली। शुभमन ने मैच के बाद खुलासा किया कि उनका लक्ष्य दोहरा शतक बनाना था, जो वह हासिल नहीं कर सके।मैच के बाद अपनी टीम

की 170 रन की जीत को लेकर शुभमन ने बल्लेबाजी पर संतोष जताया पर कहा कि वह अपना लक्ष्य पूरा नहीं कर पाये। उन्होंने कहा, मैं जहां गेंद को मारना चाह रहा था, गेंद वहीं जा रही थी। मेरा आत्मविश्वास बढ़ा हुआ था। मेरा लक्ष्य मैच जल्दी समाप्त करना और 40-45 ओवर तक बल्लेबाजी करना था। मैं 200 रन बनाना चाहता था पर लगातार शॉट खेलने के दबाव में डीप कवर पर कैच आउट हो गया। मैं चाहता था कि टीम 430 रन तक पहुंचे। शुभमन ने माना है कि तेज गर्मी के कारण उन्हें सूजन और जकड़न की समस्या का भी सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, थोड़ी तकलीफ थी, शरीर में अलग-अलग जगहों पर ऐंठन हुई।

मां नर्मदा की पूजन कर नवागत सीएमओ वैभव देशमुख ने पदभार ग्रहण किया

मां नर्मदा की स्वच्छता पर रहेगा विशेष फोकस-देशमुख

नर्मदापुरम(निप्र)। मां नर्मदा की पूजन अर्चन के बाद नवागत मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख द्वारा गुरूवार को पदभार ग्रहण किया गया। उन्होंने नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव से मुलाकात की एवं नपा के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया। इस दौरान उनका पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। नवागत सीएमओ श्री देशमुख ने बताया उनकी प्राथमिकता में मां नर्मदा की स्वच्छता पर उनका विशेष फोकस रहेगा। नगर की साफ सफाई व्यवस्था चॉक चौबंद रखने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करेंगे। साथ ही शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। नपा को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर सहायक लेखा अधिकारी देवेंद्र बघेल, उपयंत्री दीक्षा तिवारी, आयुषी रिछारिया, रीना गुप्ता सहित समस्त अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

गायत्री परिवार के सदस्यों ने किया 24 हजार गायत्री मंत्रों का जाप एवं एक कुण्डीय यज्ञ

नर्मदापुरम(निप्र)। गोल्डन सिलिकॉन सिटी नर्मदापुरम में महेश ठाकुर के निवास पर अखिल विश्व गायत्री परिवार के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से 24 हजार गायत्री मंत्रों का जाप एवं एक कुण्डीय गायत्री यज्ञ संपन्न कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आध्यात्मिक जागरण पारिवारिक संस्कारों का संवर्धन एवं समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना रहा। गायत्री परिवार के महेश गौर ने बताया कि 24 हजार गायत्री मंत्रों के जाप हेतु कुल 240 मालाओं का मंत्र जाप किया जाता है, जिसे सभी परिजन सामूहिक रूप से पूर्ण करते हैं। मंत्रजाप के उपरांत एक कुण्डीय गायत्री यज्ञ संपन्न कराया जाता है। उन्होंने बताया कि गायत्री परिवार द्वारा विभिन्न संस्कार नि:शुल्क कराए जाते हैं। इसी क्रम में कार्यक्रम के दौरान कुमरी पटैल, अर्जुन सिंह यादवएशिव कुमार विश्वकर्मा रामकुमार सोनी विनीता सोनी श्रीमती प्रभा यादव नारायण यादव श्रीमती सरिता ठाकुर श्रीमती अन्नु झिंझोरे केशव मांगरोल श्रीमती संध्या मांगरोल सतीश दीक्षित एवं रामकुमार गौर सहित अनेक गायत्री परिजन उपस्थित रहे।

नागद्वारी मेले की तैयारियां व्यापक स्तर पर हुई प्रारंभ

कलेक्टर सोमेश मिश्रा आज निरीक्षण कर लेंगे तैयारियों का जायजा

नर्मदापुरम(निप्र)। सतपुड़ा की वादियों में स्थित प्रसिद्ध धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थल नागद्वारी में आगामी अगस्त माह में आयोजित होने वाले नागद्वारी मेले की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक स्तर पर तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं एवं बड़ी संख्या में पहुंचने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं संरक्षक महादेव मेला समिति नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के नेतृत्व में 19 जून को मेला क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण किया जाएगा।

कलेक्टर श्री मिश्रा के निर्देशानुसार विभिन्न विभागों के अधिकारियों का दल प्रात: 7 बजे से नागद्वारी मेला क्षेत्र का भ्रमण करेगा। निरीक्षण के दौरान पेयजल, स्वास्थ्य, सुरक्षा, विद्युत, स्वच्छता, मार्ग सुधार, संचार व्यवस्था तथा आपदा प्रबंधन सहित विभिन्न आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त पर्यटन की दृष्टि से आवश्यक सुविधाओं, ट्रेकिंग मार्गों, विश्राम स्थलों, संकेतक बोर्डों तथा पर्यटक सुविधाओं की वर्तमान स्थिति का भी मूल्यांकन किया जाएगा, ताकि मेले के दौरान श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।उल्लेखनीय है कि नागद्वारी सतपुड़ा की प्राकृतिक सुंदरता और आस्था का अद्भुत संगम है, जहां प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक पहुंचते हैं। जिला प्रशासन द्वारा मेले के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जा रही हैं।

प्राकृतिक खेती पर्यावरण संरक्षण और वर्तमान सहित भविष्य की आवश्यकता : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर में जिला स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं प्रदर्शनी आयोजित

नर्मदापुरम (ए.)। विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मध्य कृषि आधारित विशेष अभियान के अंतर्गत भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर के कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर, बनखेड़ी में गुरुवार को जिला स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला नर्मदापुरम एवं सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर सोमेश मिश्रा रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में प्राकृतिक खेती को अपनाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। प्राकृतिक खेती पर्यावरण एवं वातावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रभावी कदम है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे कम से कम अपने दैनिक उपयोग के लिए अनाज, फल एवं सब्जियों का उत्पादन प्राकृतिक पद्धति से करना प्रारंभ करें। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं बल्कि भविष्य की भी जरूरत है। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम किए जाने की अपील करते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों का निरंतर प्रयोग केवल मानव स्वास्थ्य के लिए ही हानिकारक नहीं है बल्कि इससे आपकी कृषि भूमि का स्वास्थ्य भी खराब होता है तथा रासायनिक उर्वरकों की अधिक उपयोग के कारण मिट्टी भी अपनी उर्वरता क्षमता खोने लगती है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विकासखंड सोहागपुर की महिला कृषक एवं कृषि सखी सुश्री पूजा पंदराम को जिले का प्राकृतिक खेती एम्बेसडर घोषित किया।

कार्यक्रम में उपसंचालक कृषि डॉ. रविकांत सिंह ने प्राकृतिक खेती के प्रमुख उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पोषक तत्व प्रबंधन, पौध संरक्षण, उत्पादन लागत में कमी, मिट्टी एवं पर्यावरण संरक्षण तथा सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त कृषि उत्पादन प्राकृतिक खेती के प्रमुख आधार हैं। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को देखते हुए प्राकृतिक खेती समय की मांग बन गई है।

कार्यशाला में डॉ. राजेंद्र पटेल ने बायो रिसोर्स सेंटर (बीआरसी) आधारित प्राकृतिक खेती मॉडल की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जैव उत्पाद केंद्रों के माध्यम से किसानों को जैविक आदानों की उपलब्धता, प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन तथा विपणन सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक क्लस्टर में जैव उत्पाद केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।उप परियोजना संचालक आत्मा गोविंद मीना ने राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन एवं परम्परागत कृषि विकास योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी किसानों को दी। वहीं सुरेश पटेल ने किसानों से प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाकर जिले को प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में अग्रणी बनाने का आह्वान किया।

गुरु अर्जुनदेव जी के शहीदी दिवस पर चड्ढा परिवार की छबील सेवा

नर्मदापुरम(निप्र)। बीते 23 वर्षों की परंपरा के तहत शहर के समाजसेवी चड्ढा परिवार के द्वारा सतरस्ता पर सिखों के पांचवे गुरू बलिदानियों के सिरमौर शहीद शिरोमणी गुरू अर्जुनदेव जी के बलिदान दिवस पर माता महाकाली दक्षिणेश्वरी काली मंदिर परिसर के समक्ष छबील सेवा की गई इस दौरान हजारों की संख्या में सतरस्ता से आने जाने वाले नागरिकों को तीखी तपन और भीषण गर्मी के दौरान ठंडा शर्बत पिलाकर सेवा का कार्य किया गया। सिख समुदाय के समाजसेवी युवा अर्कजीत सिंह चड्ढा ने बताया कि यह सेवा कार्य उनके दादाजी स्व. योगेंदर सिंह चढ्ढा ने 22 पूर्व प्रारंभ की थी। उनके दिए गए संस्कार के चलते उनके पुत्र स्व. डॉ राजपाल सिंह चड्ढा ने भी यह सेवा जारी रखी। अब तीसरी पीढ़ी में मुझे यह अवसर मिला तो दादाजी एवं पिताजी के दिए संस्कार के तहत उनके बताए मार्ग पर चलने का प्रयास कर रहा हूं। अर्कजीत सिंह चड्ढा ने बताया कि इस दौरान दोपहर के समय बड़ी संख्या में नागरिक शरबत पीने के लिए आ रहे थे। इस कार्य में शहर के अनेक सेवाभावी लोग भी सेवा करने में सहयोगी बने। समाजसेवी मातृशक्ति भी सेवा करने में पीछे नहीं रही। सभी को यह कार्य अच्छा लग रहा था।

हरदा के पीलियाखाल में विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष अरविंद रघुवंशी के निर्देशन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चन्द्रशेखर राठौर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा द्वारा गुरूवार को हरदा के वार्ड क्रं. 35 पीलियाखाल में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित जिला विधिक सहायता अधिकारी सौरभ कुमार दुबे ने महिलाओं के अधिकार, बच्चों के अधिकार, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, यौन उत्पीड़न, सालसा व नालसा की विभिन्न योजनाओं, मध्यप्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना 2015, नालसा (गरीबी उन्मूलन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन) योजना 2015, बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण विधिक सेवा योजना 2024, नालसा डॉन योजना 2025 तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। शिविर में उपस्थितजनों को बताया गया कि मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा म.प्र. में ''स्थायी लोक अदालत (लोक उपयोगी सेवाओं)'' से संबंधित विवादों के निराकरण के लिये प्रदेश के सभी जिलों में स्थायी लोक अदालतों की स्थापना की गई है।

ग्वाल नर्मदा सेना द्वारा वर्षों से चलाया जा रहा है स्वच्छता अभियान

सभी मिलकर एक साथ जय घोष करते हैं नर्मदे हर जिंदगी भर

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रति गुरुवार अनुसार मां नर्मदा जी के गोल घाट काले महादेव तट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया मां नर्मदा जी के घाट पर झाड़ू लगाकर कचरा उठाया गया। ग्वाल नर्मदा सेना का स्वच्छता अभियान बीते अनेक वर्षों से लगन से साथ निरंतर जारी हैं। ये समाजसेवी नागरिक नर्मदा तट पर आने वाले श्रद्धालुओं से भी विनम्रता के साथ आग्रह करते हैं कि मां नर्मदा के तट को स्वच्छ व सुन्दर रखने में सभी को सहयोगी बनना चाहिए। इस स्वच्छता अभियान में यादव समाज के मोहन यादव, सुनील, पप्पू यादव धनराज यादव, सुनील यादव, तुकाराम यादव, कपिल यादव, भूपेंद्र यादव सहित अनेक सेवाभावी नागरिक मौजूद रहे। ये सभी सेवाभावी नागरिक हर सप्ताह समय निकाल कर आ जाते हैं। और इस श्रेष्ठ कार्य में सहयोग करते हैं। अभियान चलाने के बाद घर जाते समय सभी मिलकर एक साथ जय घोष करते हुए कहते हैं नर्मदे हर जिंदगी भर।

आगामी त्यौहारों को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित

नर्मदापुरम(निप्र)। आगामी धार्मिक एवं सामाजिक पर्वों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी नर्मदापुरम अनिल जैन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शांति समिति के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने आगामी त्यौहारों के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की तथा अपने सुझाव प्रस्तुत किए।बैठक में अपर कलेक्टर श्री जैन ने सभी संबंधित विभागों को आगामी पर्वों के मद्देनजर सतर्क एवं अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस, यातायात, आबकारी, होमगार्ड सहित अन्य विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा। अपर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि घाटों पर स्नान, दान एवं धार्मिक आयोजनों के दौरान होमगार्ड के जवानों तथा प्रशिक्षित गोताखोरों की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। साथ ही पेयजल, विद्युत आपूर्ति एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुचारू बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में यातायात अवरोध अथवा जाम जैसी परिस्थितियां उत्पन्न न हों, इसके लिए पूर्व से ही प्रभावी प्रबंधन किया जाए। बैठक में ध्वनि विस्तारक यंत्रों एवं डीजे के उपयोग को नियमानुसार एवं अनुमत सीमा के भीतर रखने पर भी विशेष जोर दिया गया।

नपाध्यक्ष श्रीमती यादव की नई पहल

जनसुनवाई में आए वृद्धजनों को नपा के ईरिक्शा से घर पहुंचवाया

नपाध्यक्ष ने जनसुनवाई में आने वाले वृद्धजनों के लिए नई सुविधा प्रारंभ की

नर्मदापुरम(निप्र)। प्रति गुरूवार को होने वाली जनसुनवाई में आज जनसुनवाई में अलग ही नजारा था। नागरिक अपनी समस्याएं लेकर नपा कार्यालय पहुंच थे। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा जनसुनवाई करते हुए नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया गया। इसी दौरान नगर के विभिन्न क्षेत्रों से जनसुनवाई में आए वृद्धजनों को नपाध्यक्ष श्रीमती यादव की पहल पर नपा के ई रिक्शा से उनके घर तक पहुंचाया गया। ध्यान रहे कि विगत दिनों भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बचत करने का आव्हान किया गया था। इसी बात को ध्यान में रखते हुए नपाध्यक्ष श्रीमती यादव ने पहल करते हुए जनसुनवाई में आने वाले वृद्धजनों को ई रिक्शा के माध्यम से उनके घर तक छुड़वाया गया।

इस अवसर पर नपाध्यक्ष श्रीमती यादव के साथ नवागत सीएमओ वैभव देशमुख, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, अनुराग तिवारी, पार्षदगण और नपा के अधिकारी उपस्थित रहे। नपाध्यक्ष श्रीमती यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की मंशानुरूप कार्य कर रहे हैं। आज जनसुनवाई के दौरान नगर के वृद्धजन आए हुए थे। उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनका समाधान कराया गया। साथ ही उन्हें अपने घर तक नपा के ई रिक्शा द्वारा पहुंचाया गया। यह सुविधा जनसुनवाई में आने वाले सीनियर सिटीजन्स के लिए शुरू की गई है।

शांतिनिकेतन में उल्लासमय वातावरण में हुआ प्री प्राइमरी और प्राइमरी का प्रवेश उत्सवम कार्यक्रम

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदांचल की प्राचीन शैक्षणिक संस्था शांतिनिकेतन मोंटेसरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल नर्मदापुरम में गर्मी की छुट्टियों के बाद विद्यार्थियों के पुन: स्कूल आगमन पर प्री प्राइमरी एवं प्राइमरी कक्षाओं के विद्यार्थियों के स्वागत में प्रवेश उत्सवम कार्यक्रम का उल्लासमय वातावरण में आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव ने की। कार्यक्रम के आरंभ में शाला के वरिष्ठ संगीत शिक्षक गायक कलाकार अशोक सोनी के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों एवं एवं शाला की शिक्षिकाओं द्वारा सुमधुर स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव शाला प्राचार्य डॉ के एम जॉर्ज, एचेयरपर्सन श्रीमती ग्रेस जॉर्ज एवं विद्यार्थियों के पालको द्वारा दीप प्रज्वलंन कर किया गया। तत्पश्चात शाला की चेयरपर्सन श्रीमती ग्रेस जॉर्ज द्वारा पुष्पगुच्छ से कार्यक्रम की अध्यक्ष नीतू यादव का स्वागत किया एवं शाला की शिक्षिका गीता पिल्लई द्वारा शाला प्राचार्य डॉ केएम जॉर्ज एवं चेयरपर्सन श्रीमती ग्रेस जॉर्ज का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण गीता पिल्लई द्वारा शाला की वार्षिक रिपोर्ट सुश्री अंजलि सारस्वत द्वारा विंधेश्वरी रघुवंशी द्वारा विद्यार्थियों को अंग्रेजी कैसे सीखना चाहिए इस विषय पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में कक्षा दसवीं की छात्रा कु ख्याति गुप्ता द्वारा शानदार डांस की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का संचालन सुश्री अर्पिता लक्ष्मण द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों का नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव एवं शाला की चेयरपर्सन श्रीमती ग्रेस जॉर्ज ने नए सत्र में फूलों से स्वागत किया गया।

भारतीय पांडुलिपियों का डिजिटल संरक्षणः सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने की दिशा में बड़ा कदम

प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण हेतु जिलेवासियों से सहभागिता की अपील

ज्ञान भारतम् ऐप पर करें पांडुलिपियों का पंजीयन एवं अपलोड

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं ज्ञान परंपरा के संरक्षण के लिए भारतीय पांडुलिपियों और ऐतिहासिक दस्तावेजों के डिजिटलीकरण का कार्य देशभर में तेजी से किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत 20 करोड़ से अधिक ऐतिहासिक दस्तावेजों तथा 7.5 लाख से अधिक पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य भारत की अमूल्य ज्ञान-संपदा, प्राचीन साहित्य, दर्शन, विज्ञान, संस्कृति एवं इतिहास से संबंधित दुर्लभ सामग्री को सुरक्षित रखना तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए सुलभ बनाना है। डिजिटलीकरण के माध्यम से सदियों पुरानी पांडुलिपियों को संरक्षित कर उनके क्षरण एवं नष्ट होने की संभावना को कम किया जा रहा है।उल्लेखनीय है कि भारत की पांडुलिपियां केवल साहित्यिक धरोहर ही नहीं हैं, बल्कि प्राचीन ज्ञान-विज्ञान, चिकित्सा, गणित, खगोल विज्ञान तथा सामाजिक इतिहास का महत्वपूर्ण स्त्रोत भी हैं। इन दस्तावेजों के डिजिटल रूप में उपलब्ध होने से शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को दुर्लभ और महत्वपूर्ण ज्ञान सामग्री तक सरलता से पहुंच प्राप्त हो सकेगी।जिले के सभी नागरिकों, शिक्षाविदों, साहित्यकारों, पुस्तकालय संचालकों, मंदिरों, आश्रमों तथा निजी संग्रहकर्ताओं से अपील की गई है कि उनके पास उपलब्ध अथवा उनकी जानकारी में मौजूद प्राचीन हस्तलिखित ग्रंथ, ताड़पत्र, भोजपत्र एवं अन्य पांडुलिपियों का विवरण ज्ञान भारतम् ऐप पर अनिवार्य रूप से अपलोड करें।अनेक महत्वपूर्ण पांडुलिपियां निजी संग्रहों में सुरक्षित होने के कारण राष्ट्रीय अभिलेखन एवं संरक्षण की प्रक्रिया से नहीं जुड़ पाती हैं। ऐसे में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से इन अमूल्य धरोहरों की पहचान, दस्तावेजीकरण एवं संरक्षण सुनिश्चित किया जा सकता है। जिलेवासियों से आग्रह किया गया है कि वे इस अभियान को जनभागीदारी का स्वरूप देते हुए अधिक से अधिक पांडुलिपियों का पंजीयन एवं अपलोड करें तथा अपने परिचितों को भी इसके लिए प्रेरित करें। सभी नागरिक अपनी प्राचीन ज्ञान-संपदा को संरक्षित करने के इस राष्ट्रीय अभियान में सहभागी बनकर भारत की गौरवशाली विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दें।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णाकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com